website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 248 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 16 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

इजरायल-भारत साझेदारी के सर्वश्रेष्ठ अध्याय अभी बाकी हैं- नेतन्याहू

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत और इजरायल को "दो गौरवशाली लोकतंत्र" बताया। उन्होंने भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

अपने संदेश में प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि भारत और इजरायल ने साथ मिलकर अब तक कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों देशों की साझेदारी के सबसे अच्छे दिन अभी आने बाकी हैं।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने संदेश में कहा, "मेरे प्रिय मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। इजरायल और भारत दो मजबूत लोकतंत्र हैं, जो इतिहास, नवाचार और गहरी दोस्ती से जुड़े हैं। दोनों देशों ने मिलकर अब तक बहुत कुछ हासिल किया है, और हमारी साझेदारी का सबसे अच्छा दौर अभी आना बाकी है।"

भारत के स्वतंत्रता दिवस पर इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और भारत के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "मैं भारत के सभी लोगों को शांति और समृद्धि की कामना करता हूं। इन कठिन दिनों में इजरायल के साथ आपकी दोस्ती हमें मजबूत बनाती है। मैं आशा करता हूं कि हमारे देशों के रिश्ते और गहरे हों और हम जल्द ही अपने सभी बंधकों की सुरक्षित वापसी देख सके।"

वहीं, इजरायली संसद (नेसेट) के अध्यक्ष अमीर ओहाना ने भी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भारत की जनता को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में बिरला और अन्य नेताओं के साथ ली गई एक पुरानी तस्वीर भी साझा की। एक्स पर साझा की गई पोस्ट में नेसेट अध्यक्ष अमीर ओहाना ने लिखा, "भारत के स्वतंत्रता दिवस पर सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं! नेसेट की ओर से, मैं अपने प्रिय मित्र ओम बिरला और भारत के सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देता हूं। हमारे देशों और सांसदों के बीच दोस्ती हमेशा मजबूत बनी रहे।"

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अज़ार ने नई दिल्ली के लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण को "प्रेरणादायक" बताया। उन्होंने इस प्रतिष्ठित स्थल पर अपनी एक तस्वीर भी साझा की।

दिल्ली में बड़ा हादसा, हुमायूं मकबरा कैंपस के कमरे की छत गिरी, 11 लोग घायल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार शाम बड़ा हादसा हो गया। हुमायूं के मकबरे परिसर में स्थित दरगाह शरीफ पत्ते शाह के एक कमरे की छत अचानक गिर गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक, अब तक 11 लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल भेजा जा चुका है और राहत-बचाव कार्य अभी भी जारी है।

गुंबद गिरने की अफवाह, लेकिन खबर निकली गलत

घटना के तुरंत बाद यह अफवाह फैली कि हुमायूं मकबरे का गुंबद गिर गया है, लेकिन जांच में यह खबर गलत साबित हुई। दरअसल, हादसा मकबरे के भीतर स्थित दरगाह शरीफ पत्ते शाह के एक कमरे में हुआ था।

ऐतिहासिक महत्व वाला स्थल

हुमायूं मकबरे की देखरेख भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) करता है। छुट्टियों के दिनों में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसे हुमायूं की पहली पत्नी बेगा बेगम ने 1569-70 में बनवाया था। इसका डिज़ाइन फ़ारसी वास्तुकार मिर्क मिर्ज़ा गियास और उनके बेटे सय्यद मुहम्मद ने तैयार किया था। यह भारतीय उपमहाद्वीप का पहला बगीचा-मकबरा है।

इसके पास ही स्थित पुराना किला, जिसे दीना-पनाह भी कहा जाता है, 1533 में हुमायूं ने बनवाया था। 1993 में यूनेस्को ने हुमायूं मकबरे को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया, जिसके बाद यहां बड़े पैमाने पर संरक्षण और जीर्णोद्धार का काम किया गया।

फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और मौके पर राहत-बचाव अभियान तेज़ी से जारी है।

'सब कुछ दांव पर लगा', ट्रंप-पुतिन मुलाकात से पहले जेलेंस्की को सीजफायर की उम्मीद

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध पर पूरी दुनिया की निगाहें अब अमेरिका के अलास्का स्थित एक एयरबेस पर होने वाली अहम मुलाकात पर टिकी हैं, जहां अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आमने-सामने होंगे। इस शिखर वार्ता से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने युद्ध विराम (सीजफायर) की उम्मीद जताई है।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस बैठक में "बहुत कुछ दांव पर लगा" है। उनके अनुसार, यह शिखर सम्मेलन न केवल यूरोप की सुरक्षा बल्कि रूस-यूक्रेन युद्ध की दिशा को भी तय कर सकता है।

कीव में सुरक्षा अधिकारियों से चर्चा

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने कीव में सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें युद्ध की मौजूदा स्थिति और रूसी सेना की गतिविधियों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा,

"हम रूसी सेना के पैर जमाने की कोशिशों का मुकाबला कर रहे हैं और जहां-जहां उन्होंने कब्जा किया है, वहां से उन्हें पीछे हटाने का दबाव बना रहे हैं।"

जेलेंस्की ने यह भी कहा कि यूक्रेन लगातार अपने सहयोगी देशों को जमीनी हालात से अवगत करा रहा है। उनका मानना है कि ट्रंप-पुतिन बैठक से न्यायपूर्ण शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने का रास्ता निकलना चाहिए।

अमेरिका से भरोसे की उम्मीद

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने युद्ध समाप्त करने के लिए रूस से जरूरी कदम उठाने की अपील की और कहा,

"युद्ध खत्म करने का समय आ गया है। हम अमेरिका पर भरोसा कर रहे हैं कि इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाई जाएगी।"

अब सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि ट्रंप और पुतिन की अलास्का वार्ता से क्या रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति बहाल करने की कोई ठोस पहल हो पाएगी या नहीं।

किश्तवाड़ आपदा: 65 शव बरामद, 200 से ज्यादा लापता, फारुक अब्दुल्ला बोले - 500 से ज्यादा लोग दबे हो सकते हैं

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चसोटी गांव में 14 अगस्त को बादल फटने के बाद आई विनाशकारी बाढ़ और मलबे में दबने से अब तक 65 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 21 शवों की पहचान की जा चुकी है। हादसे में 167 लोगों को जीवित बचाया गया, जिनमें से 38 की हालत गंभीर बताई जा रही है। 200 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने आशंका जताई है कि मलबे में 500 से ज्यादा लोग दबे हो सकते हैं। उनकी पार्टी के एक सदस्य ने यह संख्या करीब 1,000 बताई है।

कैसे हुआ हादसा?

यह दर्दनाक घटना 14 अगस्त को दोपहर करीब 12:30 बजे हुई, जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा के पहले पड़ाव चसोटी गांव में मौजूद थे। यहां बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें लगी हुई थीं, लेकिन अचानक आई बाढ़ ने सब कुछ बहा दिया।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

किश्तवाड़ के डिप्टी कमिश्नर पंकज शर्मा के मुताबिक, NDRF की टीमें सर्च और रेस्क्यू में लगी हुई हैं। दो और टीमें रास्ते में हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय राइफल, व्हाइट नाइट कोर की मेडिकल टीम, जम्मू-कश्मीर पुलिस, SDRF और अन्य एजेंसियां मिलकर राहत कार्य कर रही हैं। कुल 300 जवानों को पांच ग्रुप में बांटकर ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

भौगोलिक चुनौतियां

चसोटी गांव, किश्तवाड़ शहर से करीब 90 किलोमीटर दूर है और मचैल माता मंदिर के रास्ते पर पहला गांव है। यह पड्डर घाटी में स्थित है, जो 14-15 किलोमीटर अंदर की ओर है। यहां पहाड़ों की ऊंचाई 1,818 मीटर से 3,888 मीटर तक है। इतनी ऊंचाई पर मौजूद ग्लेशियर और ढलान पानी के बहाव को बेहद तेज बना देते हैं, जिससे बादल फटने का असर और बढ़ जाता है।

भयावह मंजर

PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, मलबे में मिले कई शव खून से सने हुए थे। कई के फेफड़ों में कीचड़ भर गया, पसलियां टूटी हुई थीं और शरीर के अंग बिखरे पड़े थे। स्थानीय लोग, सेना और पुलिस ने मिलकर घायलों को कीचड़ भरे इलाके से बाहर निकालने के लिए घंटों तक मेहनत की और उन्हें पीठ पर लादकर अस्पताल पहुंचाया।

मचैल माता यात्रा पर असर

मचैल माता यात्रा हर साल अगस्त में होती है और इस बार 25 जुलाई से 5 सितंबर तक जारी है। इसका मार्ग जम्मू से किश्तवाड़ तक 210 किमी लंबा है, जिसमें पड्डर से चसोटी तक 19.5 किमी सड़क और उसके बाद 8.5 किमी पैदल यात्रा शामिल है। हादसे के बाद यात्रा के प्रभावित हिस्सों में सुरक्षा और रेस्क्यू पर जोर दिया जा रहा है।

केंद्र ने निजी वाहनों के लिए फास्टैग-बेस्ड एनुअल टोल पास किया लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने शुक्रवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निजी वाहनों के लिए फास्टैग-बेस्ड एनुअल टोल पास की शुरुआत की। इस एनुअल पास की कीमत 3,000 रुपए है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा संचालित टोल प्लाजा पर कार, जीप और वैन इस सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यह पास एक्टिवेशन से एक वर्ष या 200 टोल ट्रिप, जो भी पहले हो, के लिए वैध है। सीमा पूरी होने पर, फास्टैग स्वचालित रूप से स्टैंडर्ड पे पर-ट्रिप मोड में बदल जाता है। पॉइंट-बेस्ड टोल प्लाजा के लिए हर एक-तरफा क्रॉसिंग को एक ट्रिप और वापसी को दो ट्रिप माना जाता है। क्लोज्ड और टिकट सिस्टम में प्रवेश से निकास तक की पूरी यात्रा को एक ट्रिप माना जाता है।

केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहन ही इस पास के लिए पात्र हैं और यह केवल निजी उपयोग के लिए रजिस्टर्ड कारों, जीप और वैन को ही दिया जाएगा।

यह एनएचएआई और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा प्रबंधित राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर मान्य है। राज्य राजमार्गों के टोल प्लाजा तब तक इसके दायरे में नहीं आते जब तक कि उन्हें केंद्रीय फास्टैग सिस्टम में इंटीग्रेट नहीं किया जाता।

गौरतलब हो, पास खरीदने के लिए वाहन मालिकों के पास विंडस्क्रीन पर लगा एक एक्टिव फास्टैग होना चाहिए, जो उनके रजिस्ट्रेशन नंबर से जुड़ा हो। उन्हें पास खरीदने से ब्लैकलिस्ट नहीं किया जाना चाहिए। कुछ फास्टैग्स विशेष रूप से नए वाहनों के लिए जारी किए गए, केवल वाहन के चेसिस नंबर के साथ रजिस्टर्ड हो सकते हैं। ऐसे फास्टैग पर एनुअल पास एक्टिव नहीं किया जा सकता है और उन्हें पूरा वाहन रजिट्रेशन नंबर शामिल करने के लिए अपडेट किया जाना चाहिए।

पास राजमार्ग यात्रा मोबाइल ऐप, एनएचएआई या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की वेबसाइट या अधिकृत फास्टैग जारीकर्ता पोर्टल के माध्यम से खरीदा जा सकता है।

पास का भुगतान (3,000 रुपए) यूपीआई, डेबिट या क्रेडिट कार्ड, या नेट बैंकिंग के माध्यम से किया जा सकता है। इस उद्देश्य के लिए फास्टैग वॉलेट बैलेंस का उपयोग नहीं किया जा सकता है। एक्टिवेशन आमतौर पर दो घंटे के भीतर पूरा हो जाता है और एसएमएस द्वारा पुष्टि की जाती है।

उल्लेखनीय है, एक यात्री वाहन के लिए औसत टोल लगभग 50 रुपए है। बिना पास के साल में 200 चक्कर लगाने पर लगभग 10,000 रुपए का खर्च आएगा। एनुअल पास के साथ, यह शुल्क 3,000 रुपए निर्धारित है, जिससे हाईवे पर यात्रा करने वालों को लगभग 7,000 रुपये की बचत होगी।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी को दी बधाई

-'भारत-फ्रांस स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप 2047 तक और होगी गहरी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस पर अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप 2047 तक और उसके बाद भी और गहरी होती रहेगी।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि भारत के लोगों को उनके 79वें स्वतंत्रता दिवस पर हार्दिक बधाई। मुझे फरवरी में अपने दोस्त नरेंद्र मोदी का फ्रांस में स्वागत करने की याद आती है, और मैं 2047 और उसके बाद भी हमारी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं।

पिछले महीने फ्रांस के मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने इस बात पर जोर डाला था कि फ्रांस और भारत एकजुट हैं और दोनों देश साझा महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित हैं।

14 जुलाई को देश के राष्ट्रीय दिवस पर फ्रांस सरकार और फ्रांस के लोगों को शुभकामनाएं देने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर को धन्यवाद देते हुए बैरोट ने लिखा, "आइए अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करें।

भारत और फ्रांस के बीच मजबूत और दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी की पुष्टि करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर जून में पेरिस की यात्रा पर गए थे, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन समिट के लिए फ्रांस की ऐतिहासिक यात्रा के चार महीने के भीतर हुई थी।

मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी क्षितिज 2047 रोडमैप और रक्षा औद्योगिक रोडमैप को पूरी तरह से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह रोडमैप 2047 तक द्विपक्षीय संबंधों की दिशा निर्धारित करता है, जो भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी, दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की शताब्दी और रणनीतिक साझेदारी के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाएगा।

दोनों पक्षों ने प्रौद्योगिकी, नवाचार, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, जीवन विज्ञान, शिक्षा, प्रतिभा गतिशीलता, संग्रहालय सहयोग और लोगों के बीच संबंधों जैसे उभरते क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति पर भी संतोष व्यक्त किया है और साथ ही द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर भी जोर दिया है।

वहीं, नई दिल्ली और पेरिस अगले वर्ष भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष को भी शानदार तरीके से मनाने के लिए उत्सुक हैं, जो द्विपक्षीय संबंधों में एक और आयाम जोड़ेगा।

तवांग में 14,000 फीट की ऊंचाई पर भारतीय सेना और स्थानीय लोगों का ऐतिहासिक 'तिरंगा मार्च'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में आज शुक्रवार को 14,000 फीट की ऊंचाई पर देशभक्ति और टीमवर्क का अनोखा नजारा देखने को मिला। स्वतंत्रता दिवस के 79वें अवसर पर भारतीय सेना की गजराज कॉर्प्स ने ऐतिहासिक तिरंगा मार्च का नेतृत्व किया।

इस खास कार्यक्रम में 160 गोरखा सैनिक और जुड़े हुए जवान, साथ में 25 ITBP कर्मी, 100 मीटर लंबा राष्ट्रीय ध्वज लेकर हरे-भरे हिमालयी घास के मैदानों में पैदल मार्च किया। उनके साथ लगभग 150 स्थानीय ग्रामीण, जिनमें छोटे बच्चे और मागो और चुना गांवों के बच्चे शामिल हुए।इस दृश्य ने इलाके को तिरंगे के रंगो-केसरिया, सफेद और हरे से भर दिया।

इस कार्यक्रम में सिविल प्रशासन, सहायक आयुक्त थुतान वांगचू के नेतृत्व में, स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की। इसके साथ ही केंद्रीय तिब्बती उच्च अध्ययन संस्थान, सारनाथ (वाराणसी, यूपी के 23 छात्र और एक शिक्षक भी अपने देशभक्ति की जड़ों को जानने के लिए मार्च में शामिल हुए।

मार्च के बाद सभी प्रतिभागियों ने 'नो प्लास्टिक जोन' सफाई अभियान में हिस्सा लिया, कचरा हटाया और नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए संदेश दिया। यह तिरंगा न केवल रंगों में बल्कि एकता का प्रतीक भी बन गया, जिसमें सैनिक सीमा की सुरक्षा कर रहे थे, ग्रामीण अपनी परंपराओं की रक्षा कर रहे थे और प्रशासन पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहा था।

इस कार्यक्रम ने "आजादी का अमृत महोत्सव" का संदेश भी उजागर किया, यह दर्शाते हुए कि देश का भविष्य हम सभी के प्रयासों पर निर्भर है। वहीं मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे "देशभक्ति की असली भावना अपने शिखरों पर" बताया।

79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगे की रोशनी से जगमगाए ऐतिहासिक स्थल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देशभर के ऐतिहासिक और प्रमुख भवन तिरंगे के रंगों में जगमगा उठे। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुख्यालय, मंत्रालय, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) भवन, विधान भवन और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को तिरंगे की रोशनी से सजाया गया। वसई-विरार महानगरपालिका मुख्यालय और कई सड़कें भी तिरंगे की लाइटों से नहाई हुई नजर आईं, जो स्थानीय लोगों और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनीं।

वहीं कोलकाता में हावड़ा ब्रिज और विक्टोरिया मेमोरियल तिरंगे की रोशनी में नहाए नजर आए, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक तस्वीरें खिंचवाते दिखे। राजस्थान के जोधपुर में रेलवे स्टेशन, जिला कलेक्टर कार्यालय और प्रमुख चौराहों को तिरंगे रंगों से सजाया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जो इस समय जोधपुर में हैं, 15 अगस्त को बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में ध्वजारोहण करेंगे और प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे।

गुजरात के पोरबंदर में भी स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे की लाइटिंग की गई। झारखंड की राजधानी रांची में उच्च न्यायालय भवन तिरंगे की रोशनी में जगमगाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में कैंट स्टेशन, सर्किट हाउस, विकास प्राधिकरण, भारतीय स्टेट बैंक भवन और अंबेडकर चौराहे को आकर्षक तिरंगे रंगों से सजाया गया।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सलाल डैम को भी तिरंगे की रोशनी से सजाया गया, जिससे इसकी खूबसूरती और बढ़ गई। इन रंग-बिरंगी रोशनियों ने पूरे देश में देशभक्ति और उत्सव का माहौल बना दिया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के सानिध्य में राजभवन में 'एट होम' आयोजित

जयपुर । राजभवन में 15 अगस्त, शुक्रवार सायं एट होम का आयोजन हुआ। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के सानिध्य में आयोजित हुए एट होम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट जनों सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित हुए। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आगंतुकों से मुलाकात कर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। एट होम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधिगण, कुलगुरु, प्रशासन और पुलिस के अधिकारी, न्यायाधीपतिगण, समाजसेवी, मीडिया के प्रतिनिधि और आम नागरिक उपस्थित रहे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

"आज़ादी का अर्थ: जश्न के साथ जिम्मेदारी और नए खतरों से सावधानी"

हर साल 15 अगस्त का दिन पूरे देश में एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। सुबह-सुबह स्कूलों में बच्चों की कतारें तिरंगे की सलामी देती हैं, लाल किले से प्रधानमंत्री का संबोधन होता है, गलियों और मोहल्लों में देशभक्ति के गीत गूंजते हैं। यह दिन हमें उन लाखों-करोड़ों स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानी याद दिलाता है जिन्होंने अपने खून और पसीने से इस धरती को आज़ाद करवाया। लेकिन इस आज़ादी का मतलब केवल साल में एक बार झंडा फहराना और देशभक्ति के गीत गाना नहीं है। यह दिन हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सच में उस आज़ादी को बचाने और आगे बढ़ाने के लिए कुछ कर रहे हैं या नहीं। आज़ादी केवल विदेशी शासन से मुक्ति भर नहीं है, बल्कि यह एक सतत जिम्मेदारी भी है। हमें अपने भीतर यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने कर्म, व्यवहार और सोच में ऐसे कदम उठाएं जो देश की स्वतंत्रता और स्वाभिमान को और मज़बूत करें। इतिहास गवाह है कि जब कोई राष्ट्र अपनी जिम्मेदारियों को भूल जाता है, तो वह नए रूपों में गुलामी के जाल में फंस सकता है। आज के दौर में गुलामी का चेहरा अलग है — यह आर्थिक निर्भरता, तकनीकी नियंत्रण, सांस्कृतिक अधीनता या गलत नीतियों के रूप में सामने आ सकता है। दुनिया के इतिहास में औद्योगिक क्रांति इसका एक बड़ा उदाहरण है। उस समय तकनीक ने ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों को न केवल आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से शक्तिशाली बनाया, बल्कि उन्होंने उस ताकत का इस्तेमाल भारत जैसे संसाधन संपन्न देशों को अपने कब्जे में लेने के लिए किया। अगर हम समय रहते सजग नहीं होते, तो वही हालात दोबारा पैदा हो सकते हैं। आज के समय में वैश्विक ताकतें आर्थिक समझौतों, तकनीकी एकाधिकार, डेटा नियंत्रण और व्यापारिक दबाव के माध्यम से किसी भी देश की नीतियों और स्वतंत्रता पर असर डाल सकती हैं। आज़ादी की रक्षा केवल सीमाओं पर तैनात जवानों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। भ्रष्टाचार, सामाजिक अन्याय, अशिक्षा, जातीय और धार्मिक विभाजन — ये सब आंतरिक खतरे हैं जो देश को भीतर से कमजोर करते हैं। अगर हम इन समस्याओं को खत्म करने के लिए प्रयास नहीं करेंगे तो बाहरी ताकतों के लिए हमें अपने प्रभाव में लेना आसान हो जाएगा। एक कमजोर समाज, चाहे वह आर्थिक रूप से कितना भी संपन्न क्यों न हो, बाहरी दबाव के आगे टिक नहीं सकता। इसलिए, 15 अगस्त केवल जश्न का दिन नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी दिन होना चाहिए। हमें सोचना होगा कि हम व्यक्तिगत स्तर पर और सामूहिक स्तर पर क्या योगदान दे सकते हैं। क्या हम अपने काम में ईमानदार हैं? क्या हम अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं? क्या हम देश की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता को बनाए रखने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं? आज़ादी की असली रक्षा तब होगी जब हम सिर्फ अधिकारों की बात न करें, बल्कि कर्तव्यों का भी पालन करें। हमें अपने बच्चों को न केवल स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास पढ़ाना चाहिए, बल्कि यह भी सिखाना चाहिए कि स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सत्य, मेहनत, एकता और आत्मनिर्भरता कितनी जरूरी है।

"लोकतंत्र: विरासत का गर्व और भविष्य का संकल्प – चुनौतियों के बीच भारत का सुनहरा सफर"

-"1947 से 2047 तक – आज़ादी की विरासत, विकास की उपलब्धियाँ और आने वाले भारत का रोडमैप"

भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, अपनी विविधताओं में एकता और चुनौतियों के बीच अवसर खोजने की क्षमता के लिए जाना जाता है। एक समय "सोने की चिड़िया" कहलाने वाला यह देश, सदियों की गुलामी सहने के बाद जब 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ, तो दुनिया में बहुत से लोग इसके भविष्य को लेकर संशय में थे। कुछ पश्चिमी पर्यवेक्षकों ने इसे सपेरों, बैलगाड़ियों और गरीबी का प्रतीक मानते हुए यह भविष्यवाणी कर दी थी कि यह देश लोकतांत्रिक रूप से अधिक समय तक टिक नहीं पाएगा।

लेकिन आज का भारत, जिसकी बुलंदी अंतरिक्ष से लेकर वैश्विक मंच तक देखी जा सकती है, उन सभी आशंकाओं का मुँहतोड़ जवाब है।

इतिहास और विरासत

भारत की विरासत सिर्फ उसकी भौगोलिक सीमाओं या सांस्कृतिक धरोहरों में नहीं, बल्कि उसकी आत्मा में बसती है। यह वह भूमि है, जिसने वेद, उपनिषद, बौद्ध धर्म, सूफ़ी परंपरा, भक्ति आंदोलन, और विभिन्न सांस्कृतिक लहरों के माध्यम से दुनिया को सोचने का तरीका दिया। हालाँकि, यह गौरवशाली सभ्यता भी विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासन की मार झेलने से बच नहीं सकी। मुग़ल शासन के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने भारतीय संसाधनों का शोषण करते हुए इसे आर्थिक रूप से पंगु बना दिया। 19वीं सदी के अंत तक भारत की पहचान एक गरीब, भूखा और निराश देश के रूप में बनाई गई।

आज़ादी का संघर्ष और विभाजन की त्रासदी

1947 में मिली आज़ादी का जश्न जितना बड़ा था, विभाजन का दर्द उतना ही गहरा। लाखों लोगों का विस्थापन, सांप्रदायिक हिंसा, और लाखों की मौतों ने देश के सीने पर ऐसे घाव दिए, जो आज भी इतिहास के पन्नों पर दर्ज हैं।

विभाजन के साथ ही पाकिस्तान के रूप में एक नया देश बना, जिसने जल्द ही कश्मीर पर हमला कर अपने इरादे जाहिर कर दिए। भारत ने अपने लोकतांत्रिक और शांतिप्रिय चरित्र को बनाए रखते हुए इस चुनौती का सामना किया।

प्रारंभिक चुनौतियाँ – भूख, गरीबी और युद्ध

आजादी के तुरंत बाद देश के सामने तीन बड़ी चुनौतियाँ थीं –

भूख और खाद्यान्न की कमी

सीमाओं की सुरक्षा

आर्थिक पुनर्निर्माण

1962 में चीन के साथ युद्ध, और 1965 में पाकिस्तान के साथ संघर्ष ने देश को झकझोर दिया। इस दौर में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने "जय जवान, जय किसान" का नारा दिया और देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की, ताकि सीमाओं पर तैनात जवानों को पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

इस कठिन दौर ने भारतीयों में आत्मनिर्भरता और त्याग की भावना को और मजबूत किया।

हर संकट में अवसर तलाशने का जज़्बा

भारत ने अपनी कृषि व्यवस्था को सुधारने के लिए हरित क्रांति शुरू की, जिसने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। इसके बाद श्वेत क्रांति (दूध उत्पादन) और नीली क्रांति (मत्स्य पालन) ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। औद्योगीकरण के क्षेत्र में टाटा, बिरला और कई सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने आधार तैयार किया।

लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती

संविधान ने भारत को एक लोकतांत्रिक गणराज्य का स्वरूप दिया। स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र प्रेस और निष्पक्ष चुनाव आयोग ने इस लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखा।

आपातकाल (1975-77) जैसे कठिन समय में भी भारतीय जनता ने मतदान के जरिए लोकतंत्र को फिर से पटरी पर ला दिया, जो इस व्यवस्था की ताकत को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की पहचान

शुरुआत में गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का परिचय दिया। शांति मिशनों, मानवीय सहायता और विकास साझेदारी के जरिए भारत ने अपनी साख बनाई। 21वीं सदी में भारत ने आईटी, फार्मास्युटिकल, अंतरिक्ष और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में दुनिया का ध्यान खींचा। चंद्रयान-3 और मंगलयान जैसी सफलताएँ इस आत्मविश्वास का प्रमाण हैं।

वर्तमान उपलब्धियाँ

डिजिटल इंडिया अभियान से ई-गवर्नेंस और डिजिटल भुगतान में क्रांति

मेक इन इंडिया से विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा

आयुष्मान भारत से करोड़ों गरीब परिवारों को स्वास्थ्य बीमा

स्वच्छ भारत मिशन से ग्रामीण स्वच्छता में सुधार

गगनयान मिशन और वैश्विक रक्षा साझेदारी में मजबूती

वर्तमान चुनौतियाँ

हालाँकि उपलब्धियाँ बहुत हैं, पर चुनौतियाँ भी कम नहीं—

बेरोजगारी और कौशल विकास की कमी

भ्रष्टाचार और पारदर्शिता का अभाव

ग्रामीण-शहरी असमानता

पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन

सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता

भविष्य का संकल्प

भारत को 2047 में आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होने तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना हर नागरिक का होना चाहिए। इसके लिए—

शिक्षा में निवेश और शोध को बढ़ावा

ऊर्जा और संसाधनों का सतत उपयोग

तकनीकी नवाचार और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन

सामाजिक न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करना होगा

भारत का लोकतंत्र न सिर्फ उसकी राजनीतिक व्यवस्था है, बल्कि यह उसके लोगों के जज़्बे, त्याग और संघर्ष की जीवंत कहानी है।

हमारे पास विरासत का गर्व है—विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक का हिस्सा होने का गर्व। और हमारे पास भविष्य का संकल्प है—एक ऐसे भारत का निर्माण करना, जो न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो, बल्कि मानवीय मूल्यों और लोकतांत्रिक आदर्शों में भी दुनिया का मार्गदर्शन करे। भारतीय लोकतंत्र सिर्फ 1947 के बाद की देन नहीं है। इसकी जड़ें प्राचीन गणराज्यों और पंचायत प्रणाली में भी मिलती हैं। वैशाली का गणराज्य, लिच्छवि और मालवा जैसे राज्यों में जनता की भागीदारी से शासन के कई उदाहरण हमारे इतिहास में दर्ज हैं। यह बताता है कि जनसहभागिता भारत की सांस्कृतिक DNA में पहले से मौजूद थी, जिसे संविधान निर्माताओं ने आधुनिक रूप दिया।

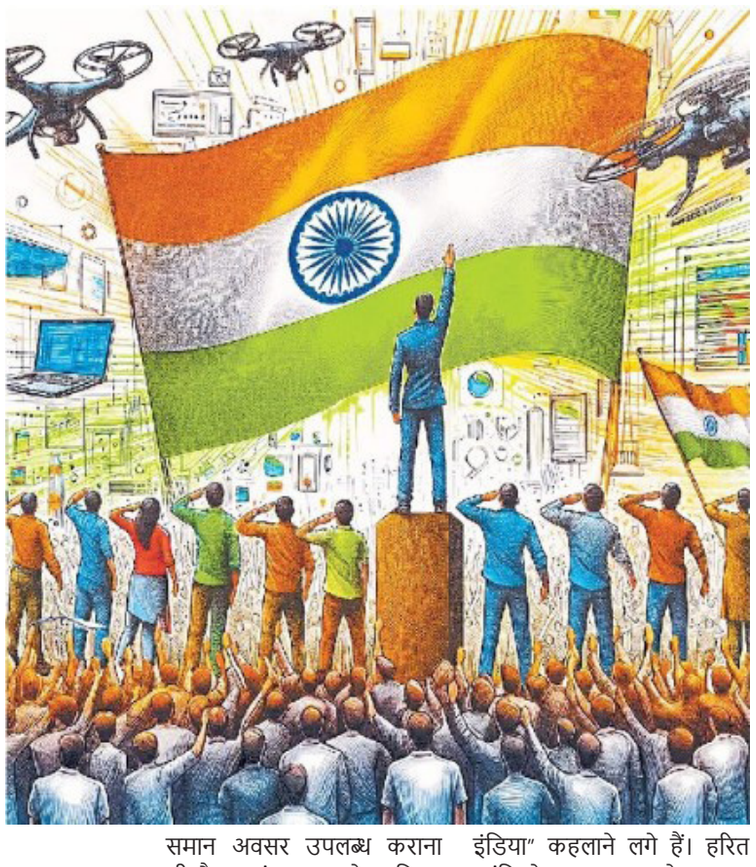

संविधान निर्माण – लोकतंत्र का ब्लूप्रिंट

आज़ादी के बाद सबसे बड़ी चुनौती एक ऐसे संविधान का निर्माण था, जो एक विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और विविधतापूर्ण देश को एक सूत्र में बाँध सके। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा ने 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन की मेहनत के बाद दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान तैयार किया।

इसमें मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक तत्व और मौलिक कर्तव्यों जैसे प्रावधानों ने नागरिक और राज्य के बीच संतुलन स्थापित किया। लोकतंत्र का मतलब सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि समाज में समान अवसर उपलब्ध कराना भी है। स्वतंत्र भारत ने जातिगत भेदभाव, सती प्रथा, बाल विवाह जैसे कुप्रथाओं पर कानूनी रोक लगाई। आरक्षण नीति ने वंचित वर्गों को शिक्षा और रोजगार में अवसर दिया।

महिला मताधिकार, जो कई पश्चिमी देशों में दशकों बाद आया, भारत ने संविधान लागू होते ही प्रदान कर दिया। यह लोकतांत्रिक समानता का बड़ा उदाहरण है।

विज्ञान और तकनीक में छलांग

आज़ादी के बाद भारत ने विज्ञान और तकनीक को विकास का आधार बनाया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की स्थापना 1969 में हुई, जिसने आज भारत को सस्ते और भरोसेमंद अंतरिक्ष मिशनों का केंद्र बना दिया है। चंद्रयान-3 की सफलता और गगनयान की तैयारी, वैश्विक स्तर पर भारत की तकनीकी क्षमता को दर्शाती है। आईटी सेक्टर में बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर "सिलिकॉन वैली ऑफ़ इंडिया" कहलाने लगे हैं। हरित क्रांति के बाद भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की, लेकिन आज भी ग्रामीण भारत की चुनौतियाँ खत्म नहीं हुई हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGA) और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएँ इस दिशा में महत्वपूर्ण रही हैं। भविष्य में ड्रोन तकनीक, स्मार्ट सिंचाई और जैविक खेती से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिल सकती है।

भारत का वैश्विक योगदान

आज भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से है। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर "इंटरनेशनल सोलर अलायंस" जैसी पहल में नेतृत्व कर रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान "वैक्सीशन मैत्री" अभियान से भारत ने 100 से अधिक देशों को वैक्सीन दी, जिससे मानवीय कूटनीति का उदाहरण पेश किया।

बेहतर पर्यावरण: शासन नहीं, नागरिक जिम्मेदारी से संभव

-औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति और सामूहिक प्रयास से स्वच्छ, सुरक्षित भविष्य का निर्माण

आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और संसाधनों के क्षरण की गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब बेहतर पर्यावरण की चर्चा केवल सरकारी घोषणाओं और नीतियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। वास्तविक बदलाव तभी संभव है, जब नागरिक स्वयं अपनी जिम्मेदारी समझकर सक्रिय भूमिका निभाएं। हम अक्सर सुनते हैं कि "सरकार को यह करना चाहिए, वह करना चाहिए", लेकिन शायद ही हम यह सोचते हैं कि व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर हमारी भूमिका क्या है। यह मानसिकता, कि सफाई और पर्यावरण संरक्षण केवल शासन का दायित्व है, अचानक नहीं बनी। इसका इतिहास औपनिवेशिक शासन से जुड़ा है, जब भारतवासियों के मन में शासन-निर्भरता का बीज बोया गया। आजादी के दशकों बाद भी यह सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई है, और इसका सबसे बड़ा खामियाजा हमारा पर्यावरण भुगत रहा है।

औपनिवेशिक मानसिकता और पर्यावरणीय गिरावट

ब्रिटिश हुकूमत से स्वतंत्रता प्राप्त करना केवल राजनीतिक आजादी थी। मानसिक और सामाजिक आजादी पाने का सफर उससे कहीं कठिन और लंबा है। औपनिवेशिक काल में प्रशासन ने यह धारणा पुख्ता की कि सफाई, जल निकासी, कचरा प्रबंधन जैसी जिम्मेदारियां केवल "सरकार" की हैं। नागरिकों को केवल 'टैक्स भरने वाले' के रूप में देखा गया, और उनकी स्थानीय जिम्मेदारियां खत्म कर दी गईं। उस दौर में शासन की सुविधाएं सीमित थीं, लेकिन जनता के अंदर यह आदत डाल दी गई कि सफाई या सार्वजनिक संपत्ति के रखरखाव की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। परिणामस्वरूप, परंपरागत सामुदायिक सफाई प्रणालियां टूट गईं, जो पहले गांवों और मोहल्लों में आम थीं।

आजादी के बाद भी जारी पुरानी सोच

आज हम 75 से अधिक वर्षों से स्वतंत्र हैं, लेकिन सफाई और पर्यावरण के प्रति मानसिकता में ज्यादा बदलाव नहीं आया। शहरों में भी लोग सड़क पर कचरा फेंकते हैं, घर के सामने गंदगी छोड़ देते हैं और फिर शिकायत करते हैं कि "नगर निगम सफाई नहीं करता"। यह एक प्रकार का मानसिक 'ट्रांसफर ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी' है — यानी हम अपने हिस्से का काम शासन पर डाल देते हैं। यह केवल सफाई तक सीमित नहीं है; वृक्षारोपण, पानी बचाना, प्लास्टिक का कम इस्तेमाल जैसे कार्यों में भी यही स्थिति है।

सरकार की सीमाएं और नागरिकों का दायित्व

सरकारें नीतियां बना सकती हैं, बजट आवंटित कर सकती हैं, सफाईकर्मी नियुक्त कर सकती हैं, लेकिन हर गली, हर घर, हर नदी और हर जंगल की रक्षा करना प्रशासन के अकेले बस की बात नहीं है। मान लीजिए कि एक शहर में नगर निगम रोज 100 टन कचरा साफ करता है, लेकिन नागरिक रोज 120 टन कचरा फैला रहे हैं, तो यह कभी खत्म होने वाला काम नहीं होगा। इसके विपरीत, अगर नागरिक जिम्मेदारी निभाएं और कचरे की मात्रा घटाएं, तो सरकारी प्रयास अधिक प्रभावी होंगे।

पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के उदाहरण

घर से शुरुआत

कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बांटना (गीला, सूखा, और खतरनाक कचरा)। बिजली और पानी का अनावश्यक उपयोग रोकना। रसोई में बचा हुआ पानी पौधों को देना। मोहल्ला स्तर पर पहल सफाई अभियान चलाना। हर साल सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम करना। प्लास्टिक-मुक्त बाजार का संकल्प लेना। शहर और गांव में जनजागरूकता स्कूलों में बच्चों को स्वच्छता और पर्यावरण का महत्व सिखाना। सोशल मीडिया पर सकारात्मक उदाहरण साझा करना।

सफल नागरिक पहल के प्रेरक उदाहरण

इंदौर की कहानी – इंदौर नगर निगम ने सफाई में देश में पहला स्थान पाया, लेकिन इसका बड़ा कारण वहां के नागरिकों की भागीदारी है। लोग न केवल कचरा अलग करके देते हैं, बल्कि सफाईकर्मियों के सम्मान में कार्यक्रम भी करते हैं। केरल का 'हरित कर्मा सेना' – स्थानीय महिलाओं का एक समूह घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करता है और उसे सही तरीके से निपटाता है। इससे न केवल सफाई बनी रहती है, बल्कि रोजगार भी पैदा होता है। दिल्ली का 'यमुना स्वच्छता अभियान' – कई स्वयंसेवी संस्थाएं हर रविवार यमुना किनारे सफाई करती हैं। यह कार्य सरकार के बजाए नागरिकों के प्रयास से अधिक संभव हुआ।

शासन-निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर

हमारी सोच में बदलाव लाने के लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं – शिक्षा और जागरूकता

स्कूल पाठ्यक्रम में पर्यावरणीय जिम्मेदारी को व्यावहारिक स्तर पर पढ़ाया जाए। वयस्कों के लिए भी सामुदायिक कार्यशालाएं हों।

सामुदायिक गर्व का निर्माण

जब किसी गली या मोहल्ले को साफ-सुथरा रखने के लिए पुरस्कृत किया जाता है, तो नागरिकों में प्रतिस्पर्धा और गर्व दोनों पैदा होते हैं। कानूनी और आर्थिक प्रोत्साहन। कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना, और जिम्मेदारी निभाने वालों को टैक्स में छूट या इनाम।

हम क्यों टालते हैं जिम्मेदारी?

कई बार लोग कहते हैं – "मेरे अकेले के करने से क्या होगा?" यह सोच सबसे बड़ी बाधा है। अगर हर व्यक्ति यही सोचे, तो कुछ नहीं बदलेगा। लेकिन अगर हर व्यक्ति यह ठान ले कि "मैं अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाऊंगा", तो परिणाम चौंकाने वाले होंगे।

पर्यावरण केवल प्राकृतिक संसाधनों का सवाल नहीं

बेहतर पर्यावरण केवल पेड़-पौधों, नदियों और जंगलों तक सीमित नहीं है। यह हमारी सेहत, आर्थिक प्रगति और सामाजिक ताने-बाने से भी जुड़ा है। प्रदूषित हवा से बीमारियां बढ़ती हैं, गंदा पानी पीने से स्वास्थ्य खतरे में पड़ता है, और गंदगी के कारण पर्यटन एवं व्यापार प्रभावित होता है। बेहतर पर्यावरण का सपना केवल सरकारी योजनाओं पर टिका रहे, तो यह अधूरा ही रहेगा। असली बदलाव तब आएगा जब हम हर दिन, हर पल, अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। चाहे वह सड़क पर कचरा न फेंकना हो, पेड़ लगाना हो, पानी बचाना हो, या प्लास्टिक का उपयोग कम करना – हर छोटा कदम मिलकर बड़ा परिवर्तन लाएगा। औपनिवेशिक मानसिकता को पीछे छोड़ते हुए हमें यह समझना होगा कि पर्यावरण की रक्षा शासन का काम जरूर है, लेकिन उससे पहले यह हर नागरिक का कर्तव्य है। अगर हम यह सोच लें कि "मैं अपने हिस्से का भारत साफ और हरा-भरा बनाऊंगा", तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हम एक स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध धरती छोड़ पाएंगे।

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान: काकोरी कांड के अमर शहीद और हिंदू–मुस्लिम एकता के प्रतीक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति देकर इस धरती को आज़ाद कराने का सपना देखा और उसके लिए अंतिम क्षण तक संघर्ष किया। उन वीरों में एक अमर नाम है अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान का। वे न केवल एक क्रांतिकारी थे, बल्कि एक ऐसे इंसान भी थे जिनकी ज़िंदगी हिंदू–मुस्लिम एकता और अदम्य साहस का जीता–जागता उदाहरण थी। उन्होंने रामप्रसाद बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों के साथ मिलकर अंग्रेज़ी हुकूमत की नींव हिलाने वाले काकोरी कांड को अंजाम दिया और अंततः देश की आज़ादी के लिए 19 दिसंबर 1927 को फाँसी के फंदे को चूम लिया।

प्रारंभिक जीवन

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान का जन्म 22 अक्टूबर 1900 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर में हुआ था। उनके पिता का नाम शफ़ीक़ उल्ला ख़ान और माता का नाम मज़रुनिस्सा बेग़म था। वे एक मध्यमवर्गीय पठान परिवार से थे। बचपन से ही अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान तेज़-तर्रार, होशियार और आत्मसम्मान से भरपूर थे। विद्यालय के दिनों से ही वे अंग्रेज़ी शासन के अत्याचारों को महसूस करने लगे थे। जलियांवाला बाग़ हत्याकांड (1919) की ख़बर ने उनके दिल में अंग्रेज़ों के प्रति गहरा आक्रोश भर दिया। उन्होंने तय कर लिया कि वे केवल देखेंगे नहीं, बल्कि कुछ करेंगे भी।

क्रांतिकारी रास्ते पर कदम

शाहजहाँपुर में रहते हुए उनकी मुलाक़ात रामप्रसाद बिस्मिल से हुई। बिस्मिल पहले से ही हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के सदस्य थे। अशफ़ाक़ की देशभक्ति, निर्भीकता और साफ़ सोच से प्रभावित होकर बिस्मिल ने उन्हें संगठन में शामिल कर लिया। यहीं से उनकी ज़िंदगी ने नया मोड़ लिया। अशफ़ाक़ और बिस्मिल की दोस्ती केवल क्रांतिकारी आंदोलन तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह गहरी आत्मीयता और भाईचारे का प्रतीक थी। एक तरफ़ बिस्मिल एक कट्टर आस्थावान हिंदू थे, तो दूसरी तरफ़ अशफ़ाक़ एक पक्के मुसलमान। लेकिन दोनों के बीच धर्म का कोई फ़र्क़ नहीं आया—उनका मक़सद एक ही था: भारत की आज़ादी।

काकोरी कांड – योजना और घटना

1920 के दशक में HRA को अपने क्रांतिकारी कार्यों के लिए धन की सख़्त ज़रूरत थी। अंग्रेज़ी हुकूमत से सीधे पैसे छीनना न केवल जोखिम भरा था, बल्कि संगठन की साहसिक छवि भी बनाता। इसी सोच के तहत एक योजना बनी—सरकारी खज़ाना ले जा रही ट्रेन को लूटने की। 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के पास काकोरी स्टेशन पर, अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान, रामप्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र लाहिड़ी, रोशन सिंह और अन्य क्रांतिकारियों ने सरकारी खज़ाना लूट लिया। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में काकोरी कांड के नाम से अमर हो गई। इस कार्रवाई में किसी निर्दोष यात्री को नुक़सान नहीं पहुँचाया गया। क्रांतिकारियों का उद्देश्य स्पष्ट था—सरकारी धन को क्रांतिकारी गतिविधियों में लगाना।

गिरफ्तारी और मुकदमा

काकोरी कांड ने अंग्रेज़ी शासन की नींव हिला दी। ब्रिटिश पुलिस ने चारों ओर जाल बिछा दिया और एक-एक कर क्रांतिकारियों को गिरफ़्तार किया गया। अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान कुछ समय तक छुपे रहे और दिल्ली पहुँचे, जहाँ उन्होंने विदेश भागने की कोशिश की। वे अफ़ग़ानिस्तान के रास्ते रूस जाने की योजना बना रहे थे ताकि वहाँ से सोवियत सहयोग प्राप्त कर सकें। दुर्भाग्य से, जिस व्यक्ति पर उन्होंने भरोसा किया, उसने उन्हें धोखा दे दिया और पुलिस के हवाले कर दिया। अशफ़ाक़ को शाहजहाँपुर से गिरफ़्तार कर लखनऊ जेल भेजा गया। मुकदमा लम्बा चला और 6 अप्रैल 1927 को अदालत ने अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान, रामप्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र लाहिड़ी और रोशन सिंह को फाँसी की सज़ा सुनाई।

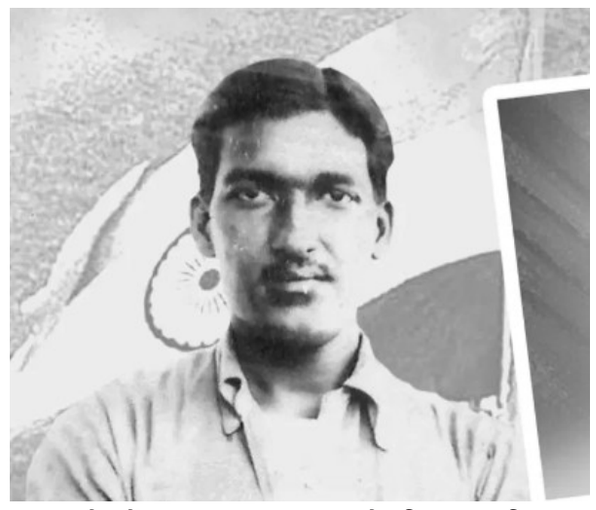

जेल में अंतिम दिन

लखनऊ जेल में अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान अपने आख़िरी दिनों में भी निडर और प्रसन्नचित्त रहे। वे नियमित रूप से नमाज़ अदा करते, क़ुरआन पढ़ते और साथ ही अपने साथियों को हौसला देते।

एक बार जेलर ने उनसे कहा—"अशफ़ाक़, तुम्हें डर नहीं लगता? तुम्हारी ज़िंदगी अब कुछ दिनों की मेहमान है।"

अशफ़ाक़ ने मुस्कुराकर जवाब दिया— "मौत हर हाल में आनी है, तो क्यों न अपने वतन के लिए आए।"

शहादत

19 दिसंबर 1927 की सुबह, लखनऊ जेल में अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान को फाँसी पर चढ़ा दिया गया। उस समय वे केवल 27 साल के थे। फाँसी के फंदे पर जाते समय उन्होंने अल्लाह का नाम लिया और आख़िरी शब्द कहे—

"मेरे वतन के दीवानो, अब तुम्हारी बारी है।" उनके शव को चुपचाप दफना दिया गया, लेकिन उनके विचार और बलिदान हमेशा ज़िंदा रहे।

व्यक्तित्व और विचारधारा

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान एक सच्चे राष्ट्रवादी थे। वे मानते थे कि भारत की आज़ादी हिंदू–मुस्लिम एकता के बिना संभव नहीं है। उनकी ज़िंदगी गंगा–जमुनी तहज़ीब की मिसाल थी। उन्होंने इस बात को साबित किया कि धर्म, भाषा और जाति से ऊपर उठकर एक साझा लक्ष्य के लिए काम किया जा सकता है। वे कविता और शेरो–शायरी में भी रुचि रखते थे। उनकी कुछ पंक्तियाँ आज भी प्रेरणा देती हैं— "कुर्बान हो जाऊँ ऐ वतन तेरी राह में,

तेरी इज़्ज़त से बढ़कर नहीं है कोई चीज़ जहाँ में।"

अशफ़ाक़ और बिस्मिल की दोस्ती – एक मिसाल

अशफ़ाक़ और रामप्रसाद बिस्मिल की दोस्ती भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सबसे प्रेरक प्रसंगों में से एक है। दोनों ने कंधे से कंधा मिलाकर काकोरी कांड को अंजाम दिया और अंततः एक ही दिन अलग-अलग जेलों में फाँसी पाई—बिस्मिल को गोरखपुर जेल में और अशफ़ाक़ को लखनऊ जेल में। उनकी यह दोस्ती आज भी हिंदू–मुस्लिम एकता की सबसे मजबूत मिसाल मानी जाती है। अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान का योगदान केवल एक घटना तक सीमित नहीं है। उनका जीवन आज़ादी के लिए संघर्ष, साहस और भाईचारे का प्रतीक है। उनकी शहादत ने असंख्य युवाओं को क्रांतिकारी आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उनकी विरासत हमें यह सिखाती है कि देशभक्ति केवल भाषणों से नहीं, बल्कि कर्म और बलिदान से साबित होती है। अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है।

जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन

-प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत लिख रहा आत्मनिर्भरता की नई कहानी- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शर्मा शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं-यातनाएं झेलने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन-रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया।

'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' के साथ अब जय अनुसंधान भी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बीते 11 वर्ष में ऐतिहासिक निर्णय एवं कार्य किए हैं। स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के सपने पूरे हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत 140 करोड़ भारतीयों का सपना, दृढ़ निश्चय और एक जन आंदोलन है। इस सपने को साकार करने में सभी सक्रिय रूप से देश की प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' से प्रेरणा लेते हुए हमें स्वदेशी उत्पादों को गर्व के साथ अपनाना है। 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब जय अनुसंधान जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। आज, 'मेक इन इंडिया' के तहत हम स्वदेशी युद्धपोत, विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां बना रहे हैं।

नया भारत कहने में नहीं, करने में विश्वास रखता है

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक ताकत ही नहीं बल्कि सैन्य ताकत के रूप में भी उभरा है, जिसकी बानगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के रूप में सारी दुनिया ने देखी है। ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि हमारे देश की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि अब सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जिसका नेतृत्व ऐसे प्रधानमंत्री के हाथ में है जो कहने में नहीं, करने में विश्वास रखते हैं।

शासन सचिवालय में 79वां स्वाधीनता समारोह

अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करना सच्ची देश सेवा है - उप मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि स्वतंत्रता हमें विरासत में नहीं मिली है, इसे हमने त्याग, बलिदान एवं कठिन परिश्रम से प्राप्त किया है। बैरवा 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासन सचिवालय में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। बैरवा ने इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह, लक्ष्मीबाई आदि स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए कहा कि यह दिन उन अनगिनत बलिदानियों की याद दिलाता है, जिनके कारण आज हम आजादी की सांस ले रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने सचिवालय कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी जिम्मेदारियों का कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के साथ पालन करना देश की सच्ची सेवा है। उन्होंने सभी कार्मिकों से 2047 में विकसित भारत के सपने को पूर्ण करने के लिए सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान हर क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो रहा है। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण को उल्लेखित करते हुए कहा कि हमें अपनी विरासत पर गर्व करते हुए एकता और एकजुटता से कर्तव्यों का पालन कर सकारात्मक कदमों से आगे बढना होगा। राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के हित में लिए गए निणयों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पदोन्नति और नियुक्तियों में भी पारदर्शिता की नीति अपनाई है। अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में भी परिवर्तन कर कुछ ऐसे प्रावधान किए हैं जिससे कर्मचारियों के परिवारों को राहत मिले। इससे पहले उपमुख्यमंत्री ने शासन सचिवालय में ध्वजारोहण किया तथा सलामी गारद का निरीक्षण किया। डॉ. बैरवा ने इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समक्ष पुष्प अर्पित किए। उन्होंने सचिवालय के कर्मचारियों व उनके परिजनों को लोकतंत्र के सबसे बड़े त्योहार की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्मिक विभाग के शासन सचिव कृष्णकांत पाठक ने की। उन्होंने इस अवसर पर सचिवालय कर्मियों को स्वाधीनता दिवस की बधाई दी और कहा कि हम इस दुनिया की सबसे पुरानी संस्कृति के वाहक हैं। हमें इस आजादी के पीछे के संघर्ष को हमेशा याद रखना चाहिये। उन्होंने कहा कि नवाचारोंऔर अनुसंधानों से हम अपने देश-प्रदेश को सर्वोच्च शिखर पर ले जा सकते हैं।

79वां स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी चौपड़ पर ध्वजारोहण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। 72 साल से चली रही परम्परा के तहत बड़ी चौपड़ पर 2 जगह झंडारोहण हुआ। सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने झंडा फहराया,इस मौके पर सांसद मंजू शर्मा, भाजपा विधायक गोपाल शर्मा और जयपुर हेरिटेज नगर निगम की मेयर कुसुम यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं बड़ी चौपड़ के दक्षिणी हिस्से में विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ़ गोविंद सिंह डोटासरा, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी के साथ ही पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, संयम लोढ़ा, जयपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आरआर तिवारी मौजूद रहे, वहीं हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामगंज चौपड़ पर सीएलजी शांति समिति की और से कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जहां जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने ध्वजारोहण किया,साथ ही डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा सहित पुलिस के अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे, रहमानी स्कूली बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा,रामगंज बाजार में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर छोटे-छोटे बच्चे परिजनों के साथ निकले। तिरंगा यात्रा में शामिल बच्चे रामगंज से बड़ी चौपड़ होते वापस रामगंज बाजार पहुंचे।

ओटीएस में महानिदेशक ने किया ध्वजारोहण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (OTS) में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमा, उल्लास और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव और संस्थान की महानिदेशक श्रीमती श्रेया गुहा ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर श्रीमती गुहा ने सभी को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हमें राष्ट्र की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों की याद दिलाता है। आज हमें देश की सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए समग्र विकास का संकल्प लेने की जरूरत है। इस अवसर पर संस्थान के अतिरिक्त निदेशक(प्रशासन) जय सिंह, रिटायर्ड आई.ए.एस. अधिकारी एस.एस. बिस्सा सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं स्कूली बच्चे भी उपस्थित रहें।

राजलक्ष्मी महिला बैंक में सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने किया ध्वजारोहण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दी राजलक्ष्मी महिला अरबन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के त्रिपोलिया बाजार स्थित मुख्यालय में 79वें स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में शुक्रवार को बैंक के सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान बैंक की चेयरमैन नंदिता राज, नगर निगम हेरिटेज के डिप्टी मेयर असलम फारुखी, पार्षद प्रतिनिधि वार्ड-30 शाकिर खान, हरीश उदवानी, निदेशकगण, बैंक अधिकारी, कर्मचारियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। बैंक सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने बताया कि बैंक की स्थापना 1996 में हुई थी। जिसके संचालक मंडल में सभी डायरेक्टर महिलाएं है तथा स्टाफ में भी अधिकांश महिलाएं हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए बैंक प्रबंधन की ओर से समस्त ऋण भी महिलाओं को ही दिया जाता हैं। बैंक में जमा कराई गई सभी अमानतें अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों की भांति डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन मुंबई द्वारा बीमित किया जाता हैं। जिससे खाताधारकों की राशि सुरक्षित रहती हैं। बैंक केंद्रीय सहकारी प्रतिभूतियों में निवेश करता है। साथ ही बैंक की ओर से अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों की तरह खाताधारकों को सभी सुविधाएं दी जा रही है।

राजस्व मंडल में अध्यक्ष हेमंत कुमार गेरा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 79वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर राजस्व मंडल में आयोजित समारोह में राजस्व मंडल अध्यक्ष हेमंत कुमार गेरा ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें राष्ट्र की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों की याद दिलाता है। हमें उनके त्याग और बलिदान से प्रेरित होकर आजादी के मूल्यों को समझना होगा। आज हमें देश की सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए समग्र विकास का संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने उल्लेखनीय सेवाओं के लिए मंडल के 10 अधिकारियों एवं कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंडल सदस्य डॉ. महेन्द्र लोढ़ा, अतिरिक्त निबंधक हेमंत स्वरूप माथुर, सहायक निदेशक पवन शर्मा, लेखाधिकारी आबिद अली, प्रोग्रामर भीमराज गुर्जर, सांख्यिकी अधिकारी रमेश दायमा सहित मंडल के विविध शाखाओं के प्रभारी, प्रशासनिक अधिकारी, कार्मिक एवं अभिभाषकगण मौजूद रहे। कार्यकम का संयोजन देवेश बड़ीवाल ने किया। समारोह में राजकुमार बाघमार, एडवोकेट पूजा शर्मा, श्याम पारीक एवं नन्हीं बालिका आराध्या फौजदार ने देशप्रेम के गीत, कविता पाठ एवं वक्तव्य में आजादी की महत्ता को परिभाषित किया। पंकज हेमनानी, श्रेयांश जैन एवं टीम ने सामान्य व्यवस्थाओं का दायित्व निभाया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक आशीष मोदी ने अंबेडकर भवन में किया ध्वजारोहण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यालय अंबेडकर भवन में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद मोदी ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी से राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और मिठाई वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर आयुक्त विशेष योग्यजन केसरलाल मीना, अतिरिक्त निदेशक हरिसिंह मीना, रीना शर्मा, सुंडाराम मीना, उपनिदेशक दीपाली भागोतिया, अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़, अरविंद सैनी सहित अधिकारीगण और कार्मिक उपस्थित रहे।

इमाम हुसैन की याद में चालीसवां, शिया समुदाय ने निकाला जुलूस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हजरत इमाम हुसैन की याद में चालीसवें पर शुक्रवार को शहर में अकीदतमंदों ने जंजीरी मातम किया। इस मौके पर रामगढ़ रोड स्थित कर्बला में बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। इस दौरान घरों में मिलाद शरीफ व फातेहा भी दिलाई गई। अकीदतमंदों की ओर से घरों में मिलाद शरीफ पढने के साथ ही गरीबों को खाना भी खिलाया गया। चालीसवें के दौरान शिया समुदाय की ओर से कौमी इमाम बारगाह मोहल्ला पन्नीगरान में मजलिस हुई। जिसमें अनवर खान, मंसूर जैदी ने सोज और सलाम पढ़ा। मौलाना सैय्यद नाजिश अकबर काजमी ने अपनी तकरीर मे इमाम हुसैन की जिंदगी पर रोशनी डाली। इसके बाद दोपहर में इमाम बारगाह से जुलूस रवाना हुआ। जुलूस कुम्हारों की नदी से सुभाष चौक होता हुआ तकवी मंजिल पहुंचा। जहां जंजीरी मातम भी हुआ। इस बीच लबैक या हुसैन की सदाएं गूंज उठी।

मानसून उत्सव 2025- जल महल हाट बाजार में कला,संस्कृति और देशभक्ति का संगम

-बालक बालिकाओं ने देशभक्ति के गीत पर नृत्य किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आमेर रोड स्थित जल महल हाट बाजार में इन दिनों मानसून उत्सव 2025 का रंगारंग आयोजन हो रहा है। स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर यहां ध्वजारोहण किया गया, और बालक-बालिकाओं ने देशभक्ति गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। राजस्थान हैंडीक्राफ्ट्स एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का यह भव्य आयोजन उद्यम प्रोत्साहन संस्थान, उद्योग विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान देशी-विदेशी पर्यटकों और स्थानीय लोगों को राजस्थान की समृद्ध कला, संस्कृति और हस्तशिल्प का अद्त अनुभव मिल रहा है। मुख्य आकर्षण में लाख की चुड़ी, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, ब्लू पॉटरी, कुंदन-मीनाकारी, मार्बल एवं मेटल हैंडीक्राफ्ट्स, वुडन क्राफ्ट्स, टेराकोटा, हैंड ब्लॉक प्रिंट, एम्ब्रॉयडरी गारमेंट्स सहित कई दुर्लभ हस्तनिर्मित उत्पाद शामिल हैं। बारिश के मौसम में जल महल की खूबसूरत पृष्ठभूमि और पारंपरिक संगीत की धुनें, यहां आने वालों को राजस्थान की असली रंगत का अनुभव करा रही हैं।

उदयपुर स्कूल हादसे पर सख्त शिक्षा विभाग, एईएन-जेईएन तुरंत निलंबित

-निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने पर संवेदक फर्म के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस पर उदयपुर के कोटड़ा थाना इलाके के पाथरपाड़ी गांव स्थित पीएमश्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में हुए हादसे पर त्वरित सख्ती दिखाते हुए शिक्षा विभाग ने कार्य में प्रथम दृष्टिता लापरवाही का दोषी मानते हुए कार्यवाहक सहायक अभियंता हेमसिंह (मूल पद तृतीय श्रेणी अध्यापक) और संविदा पर कार्यरत सिविल कन्सलटेंट को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। घटना पर एक उच्च स्तरीय जांच भी शुरू कर दी गयी है। साथ ही संवेदक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। जांच चलने तक निलंबित एईएन का कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, जिला उदयपुर रहेगा। विभाग ने घटना पर संज्ञान लेते हुए तुरंत एक्शन लिया है। घटना पर उच्च स्तरीय जांच भी चल रही है। कार्यवाहक सहायक अभियंता हेमसिंह को जांच पूरी होने तक निलंबित किया गया है जबकि संविदा पर कार्यरत सिविल कन्सलटेंट, कार्यालय ब्लॉक स्तरीय एकीकृत शिक्षा संकुल, कोटड़ा जिला उदयपुर की अनुबंध की सेवाएं राजकार्य में लापरवाही के चलते तुरंत प्रभाव से समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्वीकृत निर्माण कार्य की संवदेक मैसर्स दिव्यांशी एन्टरप्राईजेज द्वारा किए गए निर्माण कार्य में लापरवाही के लिए संवेदक फर्म के विरूद्ध प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस कार्यवाही किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। घटना के संबंध में विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि निर्माणाधीन विद्यालय का छज्जा गिरने से भवन के पास से गुजर रही एक बालिका की मौत हो गयी और अन्य बालिका घायल हो गयी है। दोनों विद्यालय की छात्राएं नहीं हैं। निर्माणाधीन भवन में विद्यालय संचालित नहीं है। विद्यालय अन्यत्र संचालित है। हादसा गुणवत्ता में कमी के चलते नहीं बल्कि कार्य में संवेदक द्वारा लापरवाही के चलते घटित हुआ है। छज्जे में लिंटा भराई ठीक से न करने और शटरिंग समय से पूर्व हटाने की वजह से हादसा घटित हुआ, जिसमें एक बच्ची की मौत हो गयी।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी ने किया ध्वजारोहण

-उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पंत कृषि भवन में शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस हर्ष और उल्लास पूर्वक मनाया गया। आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी सुश्री चिन्मयी गोपाल ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर सभी कार्मिकों व अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। कृषि आयुक्त ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया। इस दौरान निदेशक वाटरशेड विकास एवं भू- संरक्षण विभाग मुहम्मद जुनैद पीपी सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

स्वायत्त शासन मंत्री ने 4 करोड़ रुपए की लागत से बने शेखावाटी पार्क का लोकार्पण किया

जयपुर । नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने गुरुवार को नगर विकास न्यास, सीकर द्वारा ग्राम गोकुलपुरा में 3 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित शेखावाटी पार्क का लोकार्पण किया। खर्रा ने लोकार्पण कार्यक्रम में कहा कि यह पार्क ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए व्यायाम, मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का प्रमुख केंद्र बनेगा। सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण और रखरखाव में जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। खर्रा ने कहा कि पार्क में बच्चों के लिए आधुनिक झूले, ओपन जिम, भ्रमण पथ, बैठने के लिए बेंच, आकर्षक लाइटिंग और फल—फूल वाले पौधों, वृक्षों की व्यवस्था की गई है। यह पार्क न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि आसपास के गांवों से आने वाले आगंतुकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली और स्वच्छता को बढ़ावा देना है ताकि लोगों को बेहतर और स्वस्थ वातावरण मिल सके। उन्होंने ग्रामीणों से पार्क की स्वच्छता और संरक्षण में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने कहा कि खर्रा की यह सौगात सीकरवासियों के लिए लाभकारी होगी और इससे लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि यह आमजन का पार्क है और इसके संरक्षण से सभी को इसका लाभ मिलेगा।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

श्री कृष्ण महिला शिक्षा सदन चौमूं में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । श्री कृष्ण महिला शिक्षा सदन चौमूं में आज स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया । मुख्य अतिथि भामाशाह श्री बालूराम जी काकोड़िया घी वाले थे । अध्यक्षता एवं झंडारोहण जयपुर जिला देहात यादव महासभा के अध्यक्ष डॉ. जगदीश जी खातोदिया ने किया। इस अवसर पर बाल जी काकोड़िया घी वाले की तरफ से अध्यक्ष महोदय एवं कोषाध्यक्ष भीम सिंह जी को साफा, माला, घडी एवं वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। हॉस्टल वार्डन अनीता यादव को भी डिनर सेट देकर सम्मानित किया गया। सभी लड़कियों के

लिए जलपान की व्यवस्था बालजी काकोड़िया के द्वारा की गई की । सभी छात्राओं एवं अतिथियों के लिए लड् की व्यवस्था भामाशाह नवल जी हनिनवाल की तरफ से की गई । छात्रावास की मेस के लिए बर्तन बाल जी द्वारा भेंट किए गए । इस समारोह में संतरा यादव स्वास्थ्य अधिकारी (रेलवे) ने सभी लड़कियों को मोटिवेशनल स्पीच देकर प्रोत्साहित किया । इस अवसर पर राकेश हनीनवाल, सचिव मदन भोमाका, सरदार सिसोटिया, रामनारायण ठेकेदार, जितेंद्र गंडवाल, मालीराम भोमाका, हरि खातोदिया एवं अन्य समाज बंधु उपस्थित रहे ।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हुआ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

-देश प्रेम से भरी प्रस्तुतियों ने माहौल में भरा देशभक्ति का रंग

पाली (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में विविध कार्यक्रमों की कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर लोढ़ा बाल निकेतन विद्यालय पाली में सांस्कृतिक कार्यक्रम तिरंगा कान्सर्ट व मेले का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज़ क़िया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न विद्यालय के छात्र - छात्राओं द्वारा प्रस्तुतियां दी गई जिससे पूरे आयोजन स्थल का माहौल देशभक्तिपूर्ण हो गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नेहरू विद्यापीठ विद्यालय के द्वारा 'ऐ वतन, वतन मेरे आबाद रहे तू.....' द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इसी तरह विवेक पब्लिक स्कूल के द्वारा 'तेरा हिमालय ऊंचा रहे मां बहती रहे गंगा', सेन्ट्रल एकेडमी नया गांव पाली द्वारा मेरे देश की धरती (पैरोडी), पीएम बांगड़ उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा वंदे मातरम्, जय हो मां तुझे सलाम.. (पैरोडी), गार्डियन पब्लिक स्कूल के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर एक्ट व

डांस की प्रस्तुति दी गई। सुल्तान पुलिस लाइन स्कूल के द्वारा ये देश है वीर जवानों का...., सेंट पॉल्स स्कूल के द्वारा मन भरया, तू ही तू, दुर्गा दुर्गा (पैरोडी), रतनचंद लोढा स्कूल, पीएमश्री बालिया उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा आज दिल पर हाथ रख के ये कसम ले.., कसुम्बी रंग (पैरोड़ी), फादर्स चिल्ड्रन स्कूल ने शूरवीर (वीर मराठा शंभाजी की गाथा), रैनबो पब्लिक स्कूल द्वारा आर्मी सेक्रीफाइस एक्ट की प्रस्तुति एवं आर्किड सेन्ट्रल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस ने 'जय हो' संगीत पर अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री, प्रशिक्षु आईएएस बिरजू गोपाल, एएसपी प्रशिक्षु उषा यादव, जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, जिला यूआईटी सचिव डॉ. पूजा सक्सेना, उधोग केन्द्र महाप्रबन्धक रज्जाक अली समेत विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी स्कूल के प्रधानाचार्य स्टाफ आदि मौजूद रहे। मंच संचालन आशा मूंदडा आदि ने किया।

जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने किया जिला स्तरीय प्रर्दशनी का उदघाटन किया अवलोकन

जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने इससे पहले जिला स्तरीय प्रदर्शनी औधोगिक व हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और वहां उत्पादों का अवलोकन किया और प्रत्येक स्टॉल पर जानकारी ली और सराहा इस अवसर पर उधोग केन्द्र के महाप्रबन्धक रज्जाक अली व अन्य आमजन मौजूद रहे।

79वें स्वतंत्रता दिवस पर विधायक कार्यालय में तिरंगा फहराकर शहीदों को नमन

चौमू (रॉयल पत्रिका)। आज 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर चौमू कचौलिया रोड़ स्थित विधायक कार्यालय में तिरंगा फहराकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण, पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ताओं के साथ सलामी दी और आज़ादी के अमर सेनानियों को नमन किया। यह ऐतिहासिक दिन हमें याद दिलाता है कि हमारी आजादी अनगिनत वीरों के अदम्य साहस, बलिदान और संघर्ष की अमूल्य धरोहर है। आइए, इस अवसर पर हम सब संकल्प लें कि तिरंगे की शान, देश की एकता और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव एकजुट और समर्पित रहेंगे।

कोविड काल में बंद हुई रोडवेज बसों का होगा पुन: संचालन

- केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने ली आगार प्रबंधकों की बैठक

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निस्तारण को लेकर पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरुवार को सुमेरपुर नगरपालिका परिसर में रोडवेज अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान मंत्री कुमावत ने पाली-सुमेरपुर मार्ग पर संचालित रोडवेज की बसों के संचालन को लेकर जानकारी ली। उन्होंने बसों के ठहराव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही कुमावत ने कोविड काल में बंद हुई बसों का संचालन फिर से शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के बड़े गांवों के लिए रोडवेज बसों का संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए।कुमावत ने पाली, जालौर, फालना, आबू रोड व सिरोही डिपो की बसों को सुमेरपुर होते हुए जवाई बांध के रास्ते अन्य मार्गों पर संचालित करने के लिए कहा। साथ ही कोटा, चितौड़गढ, उदयपुर, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, बीकानेर, बालोतरा, बाड़मेर व जालौर के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन

करने के लिए प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भिजवाने के निर्देश दिए। वहीं, सुमेरपुर में बसों का आरक्षण केंद्र खोलने के लिए भी निर्देशित किया गया।

यात्रीभार के अनुसार बसों का समय हो तय

केबिनेट मंत्री कुमावत ने बताया कि वर्तमान में चल रही बस सेवा के रूट को यात्रीभार के अनुसार बस का समय व रूट निर्धारित करने के लिए अधिकारियों को आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में अनेक धार्मिक स्थल हैं, इसके दर्शनार्थ आए दिए श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता है, मगर कई बसों के आगमन व प्रस्थान के समय में भिन्नता की वजह से वे भगवान के दर्शनों से वंचित रह जाते हैं। देवस्थानों पर आने वाली रोडवेज की बसों का समय व्यवस्थित करने के भी कहा गया है। उन्होंने बताया कि दूर-दराज के शहरों में आने-जाने के लिए सुमेरपुर के रास्ते आने-जाने वाली रोडवेज की बसों की समय सारणी सही नहीं होने की वजह से यात्रियों को लंबी दूरी की बसों से वंचित होना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए रोडवेज की समय सारणी में सुधार के आदेश दिए गए हैं। मंत्री कुमावत ने कहा कि लंबी दूरी की कई बसें हाइवे की फ्लाईओवर से सीधे निकल जाती हैं, जिससे सुमेरपुर बस स्टेंड में इन बसों का इंतजार कर रहे यात्री वंचित रह जाते हैं। लंबी दूरी की बसों के चालकों को बस स्टेंड से नियमित रूप से यात्रियों को बैठाने के लिए पाबंद करने के आदेश दिए गए हैं।

'स्काउट गाइड ने लहराया तिरंगा' देशभक्ति की निनाद के साथ तिरंगा रैली का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में आज भारतीय बाल निकेतन स्कूल, गुरु नगर रोड, महाराणा प्रताप चौराहा के पास में स्काउट गाइड द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया जिसमे स्थानीय विद्यायल सहित 500 संभागी ने सहभागिता की।

तिरंगा रैली को जिला अध्यक्ष भारत स्काउट गाइड पाली महेंद्र बोहरा द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया, ग्रुप लीडर और स्थानीय विद्यालय के संस्था प्रधान हजारी लाल यादव ने बताया की प्रधानमंत्री के हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज प्रातः स्काउट गाइड एवं अन्य विद्यार्थियों द्वारा तिरंगा रैली

का आयोजन किया गया, स्काउट गाइड द्वारा देशभक्ति से ओत प्रोत गीत और निनाद की यलगार लगाकर महाराणा प्रताप चौराहा सरदार समंद रोड से विद्यालय तक रैली निकालकर देशभक्ति का परिचय दिया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि सी ओ स्काउट पाली गोविंद मीणा, मानवेंद्र सिंह भाटी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी तेज सिंह और स्थानीय विद्यालय से पूजा यादव, लेखराज, जगदीश चौधरी, महावीर वैष्णव, राम सिंह सैनी, दीपेंद्र पूरी, सुनीता, दिव्या, दीपिका, संतोष, सोनू कंवर, जयंती, मंजू, मुकेश, यासमीन आदि ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। तिरंगा रैली में विभिन्न मार्ग से होती हुई वापस विद्यालय परिसर में समाप्त हुई संस्था प्रधान हजारी लाल यादव ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

चौमूं में 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । पीएम श्री राजकीय स्कूल ग्राउंड में हो रहा उपखंड स्तरीय आयोजन । चौमूं एसडीएम दिलीप सिंह राठौड़ ने किया । ध्वजारोहण एसडीएम दिलीप सिंह राठौड़ ने तिरंगे को दी सलामी राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का आगाज कार्यक्रम में चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, नगर परिषद आयुक्त दिलीप शर्मा भी मंच पर मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्रा आचार्य राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के ही अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्रा आचार्य राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित हुए। फेस रीडिंग के के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय पहचान बनाने वाले और गोल्ड मेडल के साथ गिनीज बुक आप वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने वाले अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्रा आचार्य को जयपुर में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान एस एम फाउंडेशन एवं अंतरिक्ष ज्ञान केंद्र के फाउंडर डॉक्टर कमल शर्मा के द्वारा होटल रजवाड़ा पैलेस में अतिथि तो भव्य सम्मान समारोह में विशेष अतिथि के रूप में प्रदान किया गया।

विभिन गतिविधियां आयोजित अभियान का महत्व समझाया

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए "हर घर तिरंगा" अभियान का उद्देश्य प्रत्येक भारतीय परिवार को गर्व से भारतीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करके एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देना है। इस क्रम में आज महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक भागीरथ के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा की गतिविधियों का आयोजन प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर जिला प्रशासन व महिला अधिकारिता विभाग के साथ मिलकार आयोजन किया गया। जिसमें आम जन को हर घर तिरंगा अभियान का महत्व समझाते हुए बताया कि 2 से 15 अगस्त 2025 तक हर घर तिरंगा अभियान में घर पर तिरंगा फहरा कर, तिरंगा रंगोली बनाकर, तिरंगा रेली एवं तिरंगा के साथ सेल्फी लेकर भाग ले सकते है। इस अभियान

के साथ एकता, गौरव व राष्ट्रवाद के रंगों का जश्न मनाएँ जो हमें एक सूत्र में बाँधते हैं। तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करें और इस जनआंदोलन का हिस्सा बनें। हर घर तिरंगा क्विज 2025 में भाग लेकर 78वा स्वतंत्रता का जश्न मनाएं और हमारे राष्ट्रीय ध्वज की विरासत का सम्मान करें। पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र प्रबंधक प्रियंका व्यास ने बताया कि "हर घर तिरंगा" अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज को अपने घर लाने और उसे गर्व से फहराने के लिए प्रेरित करना है। यह कार्य स्वतंत्रता, एकता और लोकतंत्र के मूल्यों को बनाए रखने के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। इस अभियान का उद्देश्य हमारे देश की संप्रभुता, अखण्डता और अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रतीक के रूप में राष्ट्रीय ध्वज के महत्व को दर्षाता है। इस कार्यक्रम में अशोक चौधरी, अमृत जांगिड, शीतल मीणा, राजश्री, इंदु बाला, लक्ष्मी, दिपीका, विक्रम चौधरी, अजीज खान आदि उपस्थित रहे।

उत्साह, उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया 79वां स्वतन्त्रता दिवस

-कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने जिला स्तरीय समारोह में किया ध्वजारोहण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। आजादी का 79वां पर्व स्वतन्त्रता दिवस समारोह शुक्रवार को पूर्ण गरिमा, उत्साह, उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पुलिस परेड़ मैदान में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में कृषि एवं उद्यानिकी, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को सलामी दी। स्वतन्त्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने राजस्थान सशस्त्र बल (आरएसी), राजस्थान पुलिस बल, राजस्थान गृह रक्षा बल, राष्ट्रीय कैडेट कोर, एनसीसी जूनियर आर्मी, एनसीसी जूनियर आर्मी महिला विंग, स्कूल पुलिस कैडेट, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स/गाइड्स, राजस्थान राज्य भारत स्काउट/गाइड एवं हिन्दस्तान स्काउट व गाइड्स की टुकड़ियों की परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। मुख्य अतिथि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस, बलिदान और संघर्ष को स्मरण करते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण से सक्रिय योगदान

देने का आह्वान किया। उन्होंने सुभाषचंद्र बोस के ऐतिहासिक नारे और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साहसिक प्रसंगों का उल्लेख कर प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह एकजुट होकर देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल आर्थिक शक्ति के रूप में, बल्कि एक सशक्त सैन्य शक्ति के रूप में भी विश्व पटल पर उभरा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता है, जिसे पूरी दुनिया ने देखा, जिसके अंतर्गत अब सुरक्षा और सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है। भारत अब आतंकवाद को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा। अपने संबोधन में उन्होंने जिले के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि बीसलपुर के बाद डूंगरी गांव में प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा बांध बनने जा रहा है, जो सिंचाई, जल आपूर्ति, पर्यटन और किसानों की खुशहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों को मनचाहा मुआवजा और सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त विशेष कॉलोनी उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा द्वारा राज्यपाल के संदेश का पठन किया गया। इसके पश्चात जिला स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. किरोड़ी लाल मीना, जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने एण्डा निवासी शहीद वीरांगना धोली देवी एवं थड़ोली निवासी जानकी देवी को स्मृति चिह्न भेंट कर व शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया।

चौमूं पुलिस ने बैटरी चोर को किया गिरफ्तार

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । आरोपी के पास से पुलिस ने 4 बैटरियां की बरामद आरोपी विकाश चौधरी निवासी समरपुरा बांसा को किया गिरफ्तार। आरोपी को चौमूं पुलिस ने वर्ष 2022 में मोबाइल लूट के मामले में किया था गिरफ्तार। चौमूं SHO प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में हुई कार्रवाई।

मदरसा पीर की जाल में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। उपखण्ड मुख्यालय से मात्र 7 किमी. की दूरी पर स्थित मदरसा दारुल उलूम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल, प्रतापपुरा में 15 अगस्त को 79 वां स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर झण्डारोहण कार्यक्रम के अध्यक्ष नाजिमें आला नबी बक्ष, मुख्य अतिथि युवा कांग्रेस नेता एवं पूर्व सरपंच गौरव सारण एवं विशिष्ट अतिथि शेरू भाई मेहर, जाल मोहम्मदशाह, बंटीबन्न झेरडीया, रमजान शाह, मेहबुबशाह, उर्स मोहम्मद जिलाध्यक्ष मोयला कुम्हार सेवा समिति, उका खांन सचिव दरगाह कमेटी, मौलाना हासम दल ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। दारूल उलुम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय के नाजिमें आला खलीफा मोहम्मद बक्ष एवं सुल्तानशाह मुजावर को श्रद्धाजलि अर्पित कर मौन रखा। मदरसा के बच्चों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि गौरव सारण ने मदरसे में अपनी और से हर संभव मदद करने की बात कही। और मदरसा परिवार की और से किये जा रहे बेहतर प्रबंधन की सराहना की। एडवोकेट ईब्राहीमशाह जुनेजा ने कहर कि भारत देश को आजादी मिली उस पर अपने विचार रखे। मदरसा के वरिष्ठ कमेटी मेम्बर मौलाना हाशम दल अकबरी ने आजादी के दिवानों की याद दिलाई। नाजिमें आला नबी बक्ष ने आए हुए तमाम मेहमानों का और भामाशाओं का शुक्रियां अदा किया। पटेल मोहम्मदशाह द्वारा दारूल उलुम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रागण में खलीफा मोहम्मद बक्ष द्वारा दिए गए विचार रखे, बच्चों को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो और देश की सेवा करें। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक हुसैन खां ने किया। बच्चों के पारितोषिक इनाम की व्यवस्था भामाशाओं द्वारा की गई, एवं भुपतलाल खत्री सांचौर की और से मिठाई की व्यवस्था की गई। इस मौके पर मौलाना अब्दुल शकूर सिद्धीकी, सिकन्दर बक्ष, रफीकशाह गरड़ाली, जाकिर हुसैन विरोल, खादीम शमशेरशाह, सिकन्दरशाह, अजीमशाह, मौलाना अब्दुल सतार सिद्धिकी, ईद्रीश खां, नसीबशाह, सलीम खां, कारी मुबारक हुसैन सरवरी, अध्यापक रमेश खां, अध्यापक रूस्तम खां, सुल्तानशाह, अल्लाबक्ष शाह, रेहमतुल्लाशाह, प्रखाराम मेघवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

जिले में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस पर जिले के सभी राजकीय कार्यालयों, स्कूलों, कॉलेजों एवं उपखंड व जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित हुए। जिला स्तरीय मुख्य समारोह हनुमानगढ़ टाउन स्थित नेहरू मेमोरियल पीजी कॉलेज के प्रांगण में हुआ। देशभक्ति एवं आज़ादी के लिए तन-मन न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों को याद करते हुए जिला स्तरीय मुख्य समारोह में प्रातः 9 बजे जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने ध्वजारोहण किया और राष्ट्रगान हुआ।

मुख्य समारोह में ध्वजारोहण एवं छात्रों के राष्ट्रगान के उपरांत मुख्य अतिथि डॉ. यादव ने परेड कमांडर पुलिस उप निरीक्षक श्रीमती चंद्रकला के नेतृत्व में परेड का निरीक्षण किया। परेड में थर्ड आरएसी टुकड़ी का नेतृत्व प्लाटून कमांडर सुशील कुमार, राजस्थान पुलिस महिला टुकड़ी का नेतृत्व प्लाटून कमांडर सुश्री ज्योति, राजस्थान होमगार्ड की टुकड़ी का नेतृत्व कंपनी कमांडर हरीश चमोली, नेशनल कैडेट कोर का नेतृत्व आशीष स्वामी, भारत स्काउट-गाइड का नेतृत्व दीपेंद्र गुर्जर ने किया। इसके साथ ही कई स्कूलों के सीपीसी, नेशनल कैडेट कोर, हिंदुस्तान स्काउट-गाइड इत्यादि ने परेड में हिस्सा लिया।

परेड की समाप्ति के उपरांत मधुर ध्वनि और स्वर लहरियों के बीच बैंड ने प्रदर्शन करते हुए सलामी मंच की ओर बढ़ा। राजस्थान पुलिस बैंड का नेतृत्व हेड कांस्टेबल रतन सिंह, एनपीएस स्कूल के बैंड का नेतृत्व मनीष, सेठ राधा कृष्ण बिहानी उच्च माध्यमिक विद्यालय के बैंड का नेतृत्व कुमारी नाजिया, गुड डे डिफेंस न्यू सैनिक स्कूल के बैंड का नेतृत्व कुमारी निक्की ने किया। इसके उपरांत सभी अतिथियों ने रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़े तथा एडीएम उम्मेदी लाल मीना ने महामहिम राज्यपाल के संदेश का पठन किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देवेंद्र पूनिया, गुरप्रीत सिंह, भीमसेन वर्मा, संजय भाकर, नरेंद्र कुमार मीणा के नेतृत्व में व्यायाम का प्रदर्शन किया तथा 'स्वस्थ भारत' का जयघोष किया। व्यायाम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया।

मुख्य समारोह में शहीदों की वीरांगनाओं एवं स्वतंत्रता सेनानियों सहित विशिष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं एवं छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। नेशनल पब्लिक स्कूल की छात्र-छात्राओं के राष्ट्रगीत के साथ जिला स्तरीय मुख्य समारोह का समापन हुआ।

भीलवाड़ा में नील गरान मस्जिद में नमाज के बाद ध्वजारोहण

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। भीलवाड़ा में 79वां स्वतंत्रता दिवस देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में भीलवाड़ा जिले के नील घरान मस्जिद में भी आजादी का पर्व विशेष अंदाज में मनाया गया। इस कार्यक्रम में नमाज अदा होने के बाद मस्जिद के प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण का नेतृत्व नायब इमाम अहमद रज़ा अशरफी ने किया। इस दौरान उन्होंने देश की आजादी, बलिदानियों के संघर्ष और राष्ट्रीय एकता पर संबोधन

दिया। मस्जिद में मौजूद सभी लोगों ने तिरंगे को सलामी दी और राष्ट्रगान गाया। कार्यक्रम में स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और देश की तरक्की व अमन-चैन के लिए दुआ की गई। मौके पर सभी ने आपसी भाईचारे और देशभक्ति के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कांवलियादरा रात्रि चौपाल में एडीएम ने सुनी परिवेदनाएं

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ ने ग्राम पंचायत कांवलियादरा में ग्राम वासियों की परिवेदनाओं को सुना। पंचायत समिति बिछीवाड़ा की ग्राम पंचायत कांवलियादरा में रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहें। चौपाल के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ एक-एक परिवादी से परिवेदना को सुनने के बाद संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी से तथ्यात्मक जानकारी ली और समाधान के दिशा निर्देश प्रदान किये। चौपाल में सभी विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही परिवेदनाओं के निस्तारण से संबंधित जानकारी प्रदान की। जिला स्तरीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। रात्रि चौपाल में सरपंच मंजूला, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया, उपखंड अधिकारी बिछीवाड़ा शाहीन अंजुम, तहसीलदार माधव चरपोटा, विकास अधिकारी महेश चंद्र आहारी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी गण मौजूद रहें। चौपाल में विकास अधिकारी एवं तहसीलदार ने राजस्व संबंधी कार्यों जमाबंदी, रास्ता खोलने, नाम शुद्धिकरण के बारें में विस्तार से जानकारी दी। चौपाल के दौरान अधीक्षण अभियंता पीएचडी गोपीचंद वर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रणछोड़ डामोर, संयुक्त निदेशक कृषि परेश पंड्या, उद्यानिकी उपनिदेशक डॉ विकास चेचानी सही अन्य अधिकारी मौजूद रहें। चौपाल के दौरान सौर ऊर्जा, कृषि कनेक्शन, एनीमिया अभियान, पौष्टिक पोषण आहार, जल जीवन मिशन, ओपन वेल, सड़कों के लिए भेजे गए प्रस्ताव, मरम्मत, पुलिया और खराब सड़क की सर्वे करके धरती आबा में भेजे प्रस्ताव, पाइपलाइन योजना, तारबंदी, ग्रीनहाउस, फार्मा पौण्ड, पशु मंगला बीमा, आदि की जानकारी दी। चौपाल के दौरान पटवार मंडल पंथाल का भवन निर्माण करवाने, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कांवलियादरा उपला में कक्षा कक्ष का निर्माण करने, सड़क मरम्मत करवाने, हेड पंप लगवाने, पक्का एनीकेट, चेक डैम बनवाने, सीसी रोड मेन रोड से शंकर कावा के घर तक सड़क सीसी सड़क बनवाने, मेन रोड से रामलाल मोतीलाल के घर तक आरसीसी रोड बनवाने, ग्रेवल सड़क बनवाने आदि परिवेदनाएं प्राप्त हुई, जिस पर नियम अनुसार निस्तारण के निर्देश दिए। चौपाल में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुष्पहार पहनाकर प्रतीक चिन्ह देकर तथा कॉपी-पेन देकर सम्मानित किया गया।

बूंदीवासियों को मिली बड़ी स्वास्थ्य सौगात

-ऊर्जा राज्य मंत्री ने किया जिला चिकित्सालय में ब्लड सेपरेशन यूनिट का शुभारंभ

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। बूंदी जिले के स्वास्थ्य ढांचे को एक बड़ी मजबूती देते हुए ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं बूंदी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने गुरुवार को जिला चिकित्सालय में अत्याधुनिक ब्लड कंपोनेंट एवं सेपरेशन यूनिट का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस यूनिट के शुरू होने से अब डेंगू, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को प्लाज्मा और प्लेटलेट्स जैसी जीवनरक्षक जरूरतों के लिए रेफर नहीं करना पड़ेगा, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर राज्यमंत्री नागर ने कहा कि सरकार आमजन को स्थानीय स्तर पर बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस यूनिट की स्थापना में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला द्वारा दिए गए अहम योगदान को भी विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से न केवल मरीजों का समय बचेगा, बल्कि आर्थिक बोझ भी कम होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वीकृत इस यूनिट की स्थापना और भवन के नवीनीकरण पर लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत आई हैं। अब तक, रक्त से जुड़े विशिष्ट घटकों की आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यह सभी सुविधाएं जिला अस्पताल में ही सहज रूप से उपलब्ध होंगी। इस दौरान नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. श्योजीलाल मीणा, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मीनारायण मीणा, पंचायत समिति सदस्य अर्चना कंवर, नूपुर मालव, राजकुमार श्रृंगी, कालूलाल जांगिड़, भरत शर्मा, ब्लमड बैंक प्रभारी ऋषि कच्छारवा, तकनीकी सहायक नारायण सिंह हाडा सहित शहर के कई गणमान्य नागरिक और चिकित्साकर्मी मौजूद रहें।

मतगणना, मतदान कार्मिकों एवं ईवीएम मशीनों के द्वितीय रेंडमाइजेशन आयोजित

-पंचायती राज उपचुनाव 2025

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार पंचायती राज उपचुनाव 2025 के तहत मतगणना कार्मिकों का प्रथम नियुक्ति आदेश जारी करने हेतु रेंडमाइजेशन, प्रशिक्षित मतदान कार्मिकों के मतदान दलों का गठन कर द्वितीय नियुक्ति आदेश जारी करने हेतु रेंडमाइजेशन एवं ईवीएम मशीनों के द्वितीय रेंडमाइजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला सूचना एवं विज्ञान केंद्र डूंगरपुर में आयोजित किया गया। मतगणना,मतदान दल कार्मिकों एवं ईवीएम मशीनों के द्वितीय रेंडमाइजेशन पंचायती राज में रिक्त हुए पदों के लिए उप चुनाव के तहत मतदान दल मतगणना कार्मिकों एवं ईवीएम मशीनों के द्वितीय रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी डॉ. विपिन खन्ना, सांख्यिकी विभाग अधिकारी अमित शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी रणछोड़ डामोर, एवं राजनीतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी स्कूल में नशा मुक्त गंगानगर अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

- विद्यार्थियों में वितरित किए "मुझे गर्व है-मैं नशा मुक्त हूँ" लिखे सुरक्षा कवच पॉकेट बैज

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू और पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत शुक्रवार को महात्मा गांधी स्कूल पुलिस लाइन में कार्यशाला आयोजित हुई। इस दौरान नशामुक्ति के प्रति जागरूकता के लिए विद्यार्थियों में "मुझे गर्व है-मैं नशा मुक्त हूँ" लिखे सुरक्षा कवच पॉकेट बैज वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि यह केवल बैज नहीं बल्कि नशे के खिलाफ अदृश्य ढाल है, जो पहनने वाले को अपने संकल्प की याद दिलाएगा और उसके आत्मसम्मान को मजबूत करेगा। युवाओं तक यह संदेश पहुंचाया जा रहा है कि नशा मुक्त होना शर्म नहीं, गर्व की सबसे बड़ी पहचान है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मसम्मान के साथ नशा मुक्त रहने का अहसास कराना और अपने मित्रों, परिवार व समाज में नशा मुक्ति के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में सक्रिय करना है। उन्होंने कहा कि यह बैज रोजाना विद्यार्थियों पर गर्व से लहराएगा, जिससे उन्हें यह संदेश मिलेगा कि मैं सुरक्षित हूँ, और मैं अपने साथियों को भी सुरक्षित रखूंगा। जब बडी संख्या में विद्यार्थी एक साथ यह बैज पहनेंगे तो जिले भर में नशा मुक्ति को लेकर सामाजिक दबाव और सकारात्मक माहौल बनेगा। स्कूल और कॉलेज में प्रवेश करते ही छात्र-छात्राओं का यह संदेश हर देखने वाले को याद दिलाएगा कि बदलाव की शुरुआत खुद से होती है। जिला कलक्टर ने कहा कि आज का गर्व, कल का नेतृत्व बनेगा। जब युवा खुद नशा छोड़कर दूसरों को प्रेरित करते हैं, तभी समाज में क्रांति आती है। यह बैज सिर्फ धातु या कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि हर युवा के दिल में बसा एक वादा है, जो खुद को और अपने साथियों को नशे से बचाना है। भविष्य में इस पहल के तहत "मैं नशा मुक्त हूँ, मेरा गांव नशा मुक्त है, संदेश को भी जोड़ा जाएगा, जिससे यह मुहिम घर-घर और गली-गली तक पहुंचेगी। नशा मुक्ति का जनांदोलन बनाया जाएगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर रीना, शिक्षा विभाग से एडीपीसी समसा अभियान अरविंदर सिंह, एपीसी तेज प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य रिंपा तलवार सहित अन्य उपस्थित रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से विक्रम ज्याणी ने सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

वित्तीय समावेशन शिविरों में कार्य की गति बढ़ाकर करें संतृप्तिकरण- लोक बन्धु

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। वित्तीय समावेशन की योजनाओं में संतृप्तिकरण के लिए आयोजित हो रहे शिविरों में कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में शिविरों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने गुरूवार को जिले के प्रमुख बैंकर्स की बैठक में कहा कि वित्तीय समावेशन से संबंधित योजनाओं का संचालन समाज के वंचित वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए किया जा रहा है। इनसे समस्त पात्र व्यक्तियों को जोड़ने की कार्यवाही की जानी चाहिए। इसके लिए आगामी 30 सितम्बर तक ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इनमें शिविरों में प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत पूर्व में खोले गए खातों की रीकेवाईसी सुनिश्चित करावें। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्र के कार्मिकों एवं अधिकारियों का पूर्ण सहयोग उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शाखा के लिए निर्धारित शिविरों में पूरी तैयारी के साथ विभिन्न योजनाओं में कम से कम 10-10 का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करें। शत प्रतिशत संतृप्तिकरण के लिए फोलोअप कैंप भी आयोजित किए जाने चाहिए। शहरी क्षेत्र में शिविर आयोजन के लिए भी अग्रिम तैयारी कर लें। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन के शिविरों में बैंक प्रतिनिधि के साथ बीसी भी उपस्थित रहकर कार्य पूर्ण करेंगे। ग्राम पंचायत के शिविरों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करें। शिविर में वित्तीय साक्षरता की गतिविधि भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं की जानकारी शिविर के दौरान प्रदान कर अधिकतम व्यक्तियों को जोड़ें। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह सहित समस्त बैंकों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शिविर में बच्चों को दी विधिक साक्षरता की उपयोगी जानकारी

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश), श्रीगंगानगर द्वारा मासिक एक्शन प्लान के अनुसार शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों हेतु गुरूवार को जुबिन अस्पताल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर बच्चों को जागरूक किया गया। शिविर के दौरान एडीजे सुथार ने जूबिन अस्पताल में उपस्थित बच्चे व उनके अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए बताया कि शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के कल्याण हेतु केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की जनकल्याणकारी योजनायें संचालित की जा रही हैं। इनमें छात्रवृति प्रदान करना, शिक्षा का अधिकार, चिकित्सा का अधिकार, सरकारी नौकरी में छूट आदि शामिल हैं। इस दौरान एडीजे सुथार ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 41 में कहा गया है कि राज्य अपनी आर्थिक सामर्थ्य और विकास की सीमाओं के भीतर काम पाने के, शिक्षा पाने, बेकारी, बुढ़ापा, बीमारी और निःशक्तता की दशा में लोक सहायता पाने के अधिकार को संरक्षित किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चीफ एलएडीसी रोहताश यादव द्वारा बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक सलाह के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। इस अवसर पर जुबिन अस्पताल से विनिता आहुजा, अस्पताल स्टाफ, विधिक सेवा प्राधिकरण के डिप्टी गुरचरण सिंह एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल नरपेण कम्बोज, अमन चलाना, करण धवन के साथ विधि प्रशिक्षु छात्रा जश्नप्रीत कौर भी उपस्थित रही।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

-तिरंगा आजाद रहे, आबाद रहे....

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2025) की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार शाम को एसडी बिहाणी कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। इससे पहले जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने दीप प्रज्ज्वलित किया। किडस् कैम्प कॉन्वेंट स्कूल ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद गुड शैफ़र्ड पब्लिक स्कूल ने ना झुकेगा देश अपना, बाल निकेतन सी.सै. स्कूल ने दिल में मेरे है ये मेरा वतन, जुबिन सुपास्टिक होम एंड चैरिटेबल ट्रस्ट ने तिरंगा आजाद रहे....आबाद रहे, बिहाणी चिल्ड्रन एकेडमी ने हिम्मत से काम लेंगे घबराना कैसा, गुरूनानक खालसा गर्ल्स पब्लिक स्कूल ने कर हर मैदान फतेह, भारती कान्वेंट स्कूल ने कांधे पे सूरज टिका के चला तू, पी.एम.श्री रा.बा.उ.मा. विद्यालय (मटका चौक) ने ओ आयो राजस्थान थारे, बिरला पब्लिक स्कूल ने ऐ वतन ऐ वतन, बीडीआईएस की सांची सेठी ने कत्थक (वंदेमातरम) नृत्य की प्रस्तुति दी इसके अलावा नोजगे पब्लिक स्कूल के बच्चों ने जहां धरती गाती गीत नया, सरस्वती पब्लिक स्कूल ने देश आजाद रहे, ब्लूमिंग डेल्स इंटरनेशनल स्कूल ने ये दुनिया इक दुल्हन, जैन पब्लिक स्कूल ने फिर भी दिल है हिन्दस्तानी, राजेन्द्र चिल्ड्रन एकेडमी ने सरहद पे हमें आवाज लगानी है, गुरूनानक गर्ल्स सी.सै. स्कूल के बच्चों ने पंजाबी लोक नृत्य की प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। उपस्थितजनों ने तालियां बजाकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर यादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एडीएम सतर्कता रीना, एएसपी रघुवीर शर्मा, जिला परिषद सीईओ गिरधर, एसडीएम गंगानगर नयन गौतम, प्रशिक्षु आईएएस अदिति यादव, अशोक असीजा, धीरज चावला, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विजय कुमार, अरविंदर सिंह, डॉ. दीपक मोंगा, देवानन्द, कविता सिहाग, शर्मिला, प्रीति गर्ग, विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, उनके अभिभावक और स्टाफ सहित अन्य मौजूद रहे। प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित भी किया गया। भारत सिडाना, अमृतपाल, मीनाक्षी आहूजा ने मंच संचालन किया।

खाद्य सुरक्षा से नाम हटवाने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 अगस्त को

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त खाद्य आयुक्त द्वारा 31 अगस्त 2025 तक बकाया आधार सीडिंग, बकाया ई-केवायसी, बकाया एलपीजी आई मैपिंग का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है। साथ ही गिव अप अभियान के तहत अपात्र परिवारों से आवेदन लेकर उनके नाम खाद्य सुरक्षा से हटाये जाने है। गत एक वर्ष से राशन नही लेने वाले परिवारों की सर्वे की जाकर पात्र परिवारों का लाभ प्रारंभ करवाना है एवं अपात्र परिवारों का नाम खाद्य सुरक्षा से हटाना है। इसके लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 अगस्त 2025 को प्रातः 10.30 बजे विजया राजे सिंधिया ऑडिटोरियम डूंगरपुर में रखा गया है। कार्यक्रम में बकाया आधार सीडिंग, बकाया ई-केवायसी, बकाया एलपीजी आई मैपिंग एवं अबेयन्स सूची उपलब्ध करवाई जायेगी। प्रत्येक उचित मूल्य दुकानदार अपने साथ 05 अपात्र परिवारों के गिव अप आवेदन अथवा 05 अपात्र परिवारों की सूची साथ में लायेगें। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि निर्धारित समय पर मिटींग में उपस्थित हो। विलंब से आने पर प्रवेश नही दिया जायेगा। अनुपस्थित रहने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

स्वाधीनता दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर इंदिरा प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। हर घर तिरंगा अभियान एवं स्वाधीनता दिवस 2025 की पूर्व संध्या पर गुरुवार को इंदिरा प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम में देशभक्ति की उमंग और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके बाद देशभक्ति, राजस्थानी और सांस्कृतिक गीतों व नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सांस्कृतिक संध्या में एमजीजीएस कीरखेड़ा, सरस्वती पब्लिक स्कूल, उद्देश्य अकादमी, सूरजमुखी स्कूल, बीएसके, कल्याणी अकादमी, एमजीजीएस प्रेमनगर, जीएसएसएस भोईखेड़ा, एवरशाइन अकादमी, जीएसएस पुरुषार्थी, महत्वाकांक्षा हाइट्स, जैन गुरुकुल, जीएसएसएस सेंथी, कालिका ज्ञान केन्द्र, वेलोसिटी स्कूल एवं सिद्धि विनायक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंच पर प्रस्तुत लहरियो तो ला दो, भारत ये रहना चाहिए, ऑपरेशन सिन्दर, युग, दुल्हन चली, गुरु ब्रह्मा, घूमर, फिर किस बात की टेंशन, ऐगिरी नंदिनी, हाय नरसिंह ये, भागो झुन बाजे, तीन रंग से सजा है, रंग दे बसंती, महिला सशक्तिकरण और है प्रीत जहां की रीत जैसे गीतों एवं नृत्यों ने सभागार को देशभक्ति और सांस्कृतिक गर्व के रंगों में रंग दिया। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए जोरदार तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मंच संचालन प्रभावी और ऊर्जावान अंदाज में किया गया, जिससे कार्यक्रम का उत्साह चरम पर रहा। इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ प्रधान, उपखण्ड अधिकारी, बीनू देवल, दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महावीर शर्मा, प्रमोद दशोरा, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक राजेंद्र शर्मा, सहित अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थीयों उपस्थित रहे। सांस्कृतिक संध्या में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पारितोषिक वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूर्णिमा मेहता व पारस टेलर ने किया।

शहीद सितेन्द्र की माता सहित कुल 61 लोगों का होगा जिला स्तरीय सम्मान

-स्वर्ण जयंती स्टेडियम में होगा जिला स्तरीय समारोह

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय समारोह शुक्रवार को स्वर्ण जयंती स्टेडियम में मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डॉ. अरूण गर्ग के आतिथ्य में आयोजित होगा। जिला स्तरीय समारोह में शहीद की वीरमाता सहित कुल 61 लोगों का सम्मान किया जाएगा। समारोह में शहीद सितेन्द्र की वीरमाता प्रेम कंवर निवासी ग्राम डांगर का सम्मान किया जाएगा। छात्र-छात्रा एवं खिलाड़ी वर्ग में गंगाराम बाल किशन मोदी पब्लिक स्कूल की छात्रा अनन्या शर्मा पुत्री गौरव शर्मा, राकेश एकेडिया सी.सै. स्कूल पिलानी की छात्रा मुस्कान पुत्री भान सिंह, गुरूकुपा सी.सै. स्कूल घोडीवारा खुर्द की छात्रा कीर्तिका माटोलिया पुत्री मुकेश कुमार माटोलिया, राजस्थान पब्लिक सी.सै. स्कूल चिड़ावा की छात्रा साक्षी पुत्री राजेन्द्र मीणा, सोफिया सी.सै.स्कूल खेतड़ी नगर की छात्रा वर्तिका पुत्री सुंदरलाल, वात्सल्य चौधरी पुत्र नरेश कुमार एवं शालिनी पुत्री अजय का सम्मान होगा। व्यक्तिगत, सामाजिक कार्यकर्ता, नवाचार, प्रेरक, भामाशाह के रूप में प्रख्यात गणितज्ञ डॉ. घासीराम वर्मा, प्रगतिशील किसान के रूप में खतेहपुरा के विरेन्द्र कुमार ओला, आनंदीलाल पोदार ट्रस्ट नवलगढ़ के ट्रस्टी डॉ. वेदिका पोद्दार, राजस्थान पेंशनर समाज उपशाखा बुहाना के उपाध्यक्ष विजय सिंह राव, बिरला स्कूल पिलानी के व्याख्याता राजन कुमार, चिड़ावा के चित्रकार रमेश शून्य, स्वामी विवेकानंद ऑपन स्काउट ट्रुप के उमेश कुमार रोहिला, सुप्रीम फाउण्डेशन जसवंतगढ़ के अध्यक्ष बजरंग लाल तापडिया एवं महावीर प्रसाद तापडिया, सेठ मोतीलाल टीचर्स एज्यूकेशन कॉलेज झुंझुनू के सचिव जी.एल. शर्मा, खेती में नवाचार करने पर भोमपुरा निवासी लालचंद सैनी, पंतजलि योग समिति के मुख्य योग शिक्षक आकाश नेहरा व होमगार्ड सत्यपाल सिंह का सम्मान किया जाएगा।

हरियालो राजस्थान अभियान जिले में होगा 38 लाख से अधिक पौधों का रोपण

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत जिले में 38.85 लाख पौधों का रोपण करने के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु द्वारा बैठक में निर्देश प्रदान किए गए। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामप्रकाश ने विभिन्न विभागों को उनके लक्ष्यों से अवगत कराया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के अन्तर्गत जिले में अब तक 21 लाख 75 हजार से अधिक पौधे लगाए गए है। इसके अतिरिक्त 17 लाख 10 हजार पौधे भी लगाए जाएंगे। इस प्रकार कुल 38 लाख 85 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इन समस्त पौधों की जिओ टैगिंग पर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए समस्त विभाग कार्य योजना बनाकर कार्य करेंगे। आगामी 21 अगस्त तक समस्त पौधे लगाने के साथ ही इनकी जिओ टैगिंग भी सुनिश्चित करेंगे। पौधारोपण अभियान में आमजन की सहभागीता भी सुनिश्चित की गई है।

स्वाधीनता दिवस-2025 पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। स्वाधीनता दिवस-2025 की पूर्व संध्या पर बोर्ड सभागार में देशभक्ति पूर्ण गीतों से सजा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा हर घर तिरंगा तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि गुरूवार को स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें सेन्ट्रल गल्र्स स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देश से है प्यार तथा मीनू मनोविकास मंदिर द्वारा प्रस्तुत मेरी देश की धरती ने सब का मन मोह लिया। रेयान इंटरनेशनल स्कूल द्वारा मां से है माटी तथा शुभदा स्कूल द्वारा सुजलाम सुफलाम, राजकीय सावित्री बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा आज दिल पे हाथ, सेण्ट मेरी कॉनवेंट स्कूल द्वारा पीछे मेरे अंधेरा, राजकीय केन्द्रीय बालिका विद्यालय द्वारा ये तो कश्मीर है, स्वामी सर्वानन्द विद्या मंदिर द्वारा तिरंगा नहीं झूकने देंगे, हरी सुंदर बालिका विद्यालय द्वारा वंदे मातरम, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय क्रिश्चनगंज द्वारा जब जीरो दिया मेरे भारत ने, क्रिन मैरी स्कूल द्वारा मैं लड़ जाना, रॉयन इण्टरनेशनल स्कूल द्वारा वंदे मातरम, महाराजा अग्रसेन स्कूल द्वारा कंधों से मिलते गीतों पर सामुहिक नृत्य किया गया। पण्डित आनंद वैद्य के विद्यार्थी विक्रम सिंह बुंदेल द्वारा सुरासा बैण्ड प्रस्तुती दी गई। राष्ट्रगान के लिए गुरूकुल पब्लिक स्कूल के बैण्ड ने वादन किया।

विकास मनकतला ने स्पेशल ऑप्स 2 के किरदार के लिए 11 किलो वजन बढ़ाया

मनोरंजन की दुनिया में, शारीरिक बदलाव अक्सर एक अभिनेता की लगन और समर्पण का प्रमाण होते हैं। बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'स्पेशल ऑप्स 2' में अभय सिंह की भूमिका के लिए अभिनेता विकास मनकतला ने इसे एक नए स्तर तक पहुंचा दिया। अपने सामान्य दुबले-पतले शरीर से एक दमदार और मांसल लुक तक और फिर वापस पहले जैसी फिटनेस में लौटने की उनकी यात्रा ने दर्शकों और समीक्षकों को हैरान कर दिया है। अभय सिंह जैसे सख्त और प्रभावशाली किरदार के लिए विक्कस को बड़ा शारीरिक परिवर्तन करना पड़ा। उन्होंने 11 किलो वजन बढ़ाया और शरीर को इस तरह गढ़ा कि वह किरदार की ताकत और गंभीरता को पूरी तरह दर्शा सके। यह बदलाव एक सावधानीपूर्वक तैयार डाइट और कठिन वर्कआउट रूटीन का नतीजा था। इसका परिणाम एक ऐसा दमदार लुक रहा जिसने किरदार की पर्सनालिटी को और भी प्रामाणिक और शक्तिशाली बना दिया।

उन्हें हर सम्मान मिलना चाहिए

मातृत्व के टास्क से अभिभूत हुई कृष्णा ने जताया माँओ के प्रति सम्मान

छोरियां चली गांव के हालिया एपिसोड में एक बेहद भावुक मोड़ आया जब कृष्णा श्रॉफ को एक ऐसा टास्क दिया गया जिसने उन्हें और दर्शकों दोनों को गहराई से छू लिया। इस टास्क में सभी लड़कियों को छोटे बच्चों की देखभाल करनी थी – यानी एक मां की ज़िम्मेदारियों को निभाना। कृष्णा को एक छोटे बच्चे की जिम्मेदारी दी गई और शुरुआत में उन्होंने इस टास्क को बड़े उत्साह के साथ अपनाया। लेकिन जैसे ही बच्चा लगातार रोने लगा और उन्हें चुप कराना मुश्किल हो गया, कृष्णा खुद को असहाय महसूस करने लगीं और अंततः बच्चे को उसकी मां को लौटा दिया। यह पल कृष्णा के लिए एक गहरी सीख बन गया, बच्चों की देखभाल और पालन-पोषण के लिए मातृत्व की सच्चाई और उसकी जिम्मेदारियों का एहसास।

भावुक होते हुए उन्होंने खुलकर अपनी भावना व्यक्त की÷ ÷मेरे हिसाब से, माओं को सब कुछ मिलना चाहिए। उन्हें इस दुनिया का हर सम्मान, हर सराहना मिलनी चाहिए,÷ उन्होंने भारी मन से कहा। उनकी यह सच्ची और भावनात्मक प्रतिक्रिया दर्शकों को उनके एक ऐसे पक्ष से रूबरू कराती है जिसे पहले शायद ही कभी देखा गया हो – एक ऐसा पक्ष जो मातृत्व की असली चुनौतियों से विनम्र और अभिभूत है। कृष्णा ने इस भावुक अनुभव में थोड़ा हास्य भी जोड़ते हुए स्वीकार किया कि उन्होंने हमेशा अपने बच्चे की ख्वाहिश की थी, लेकिन यह अनुभव उन्हें दोबारा सोचने पर मजबूर कर गया। उन्होंने हंसते हुए कहा कि अब उन्हें यकीन नहीं कि वह वाकई इसके लिए तैयार हैं। उनके ईमानदार और दिल से किए गए इस कबूलनामे ने एपिसोड में भावनात्मक गहराई ला दी, और सभी को उस निस्वार्थ प्रेम और शक्ति की याद दिला दी जो माँएँ हर दिन इस दुनिया को संभाले हुए है।

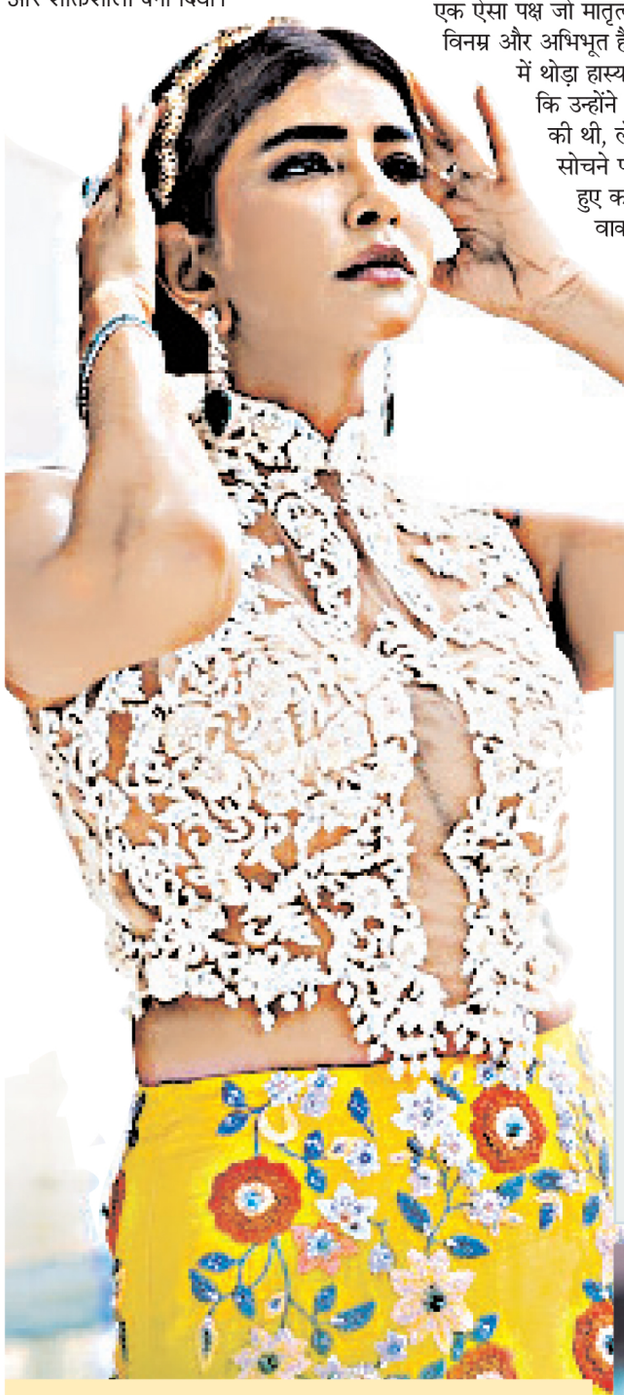

छावा-द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में मैं कभी भी नहीं बनाऊंगा

जॉन अब्राहम जल्द ही फिल्म तेहरान में दिखेंगे। आजकल एक्टर फिल्म के प्रमोशन में बिजी है। इसी दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में 'छावा' और 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्मों की पॉपुलैरिटी, सेंसरशिप और आजकल बनने वाली राष्ट्रवादी फिल्मों पर अपनी राय दी है।

एक इंटरव्यू में जॉन ने सेंसरशिप पर बात करते हुए कहा- हमें सेंसरशिप की जरूरत है, लेकिन जिस तरह से इसे कंट्रोल किया जा रहा है, उस पर थोड़ा सवालिया निशान है। वे हमारे साथ अच्छे रहे हैं, लेकिन मैं भी अपनी फिल्में जिस तरह से बनाता रहा हूं, उसके लिए जिम्मेदार रहा हूं। मैं राइट विंग या लेफ्ट विंग का नहीं हूं। मैं अराजनीतिक हूं। मेरे लिए चिंता की बात यह है कि दक्षिणपंथी फिल्मों को बहुत ऑडियंस मिलती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो छावा या द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनाने पर विचार करेंगे, तो जॉन ने खुलकर जवाब दिया। उन्होंने कहा- मैंने 'छावा' और 'द कश्मीर फाइल्स' नहीं देखी है, लेकिन मुझे पता है कि लोगों को यह पसंद आई है लेकिन मैं कभी भी ऐसी फिल्में नहीं बनाऊंगा।

अपने बेटे को कान्हा रूप में देख भावुक हो उठीं श्रेया घोषाल

जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में देशभर में बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस खास मौके पर कई लोग अपने बच्चों को बाल कृष्ण के रूप में सजाते हैं और फोटोशूट कराते हैं। इस कड़ी में मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने भी अपने बेटे देव्यान के साथ फोटोशूट कराया, साथ ही हाल ही में रिलीज हुए उनके नए भजन ओ कान्हा रे से जुड़ी बीटीएस झलक भी साझा की। श्रेया घोषाल ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज और वीडियो पोस्ट किए। इन तस्वीरों और वीडियो में श्रेया घोषाल का बेटा देव्यान नन्हे श्रीकृष्ण के रूप में नजर आ रहा है। सिर पर मोर मुकुट, हाथ में बांसुरी, और चेहरे पर बाल गोपाल जैसी मासूम मुस्कान, देव्यान का यह रूप उनके चाहने वालों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। इस पर श्रेया ने बताया कि देव्यान को वीडियो में शामिल करने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उनके पति ने उन्हें कान्हा के रूप में तैयार किया। एक वीडियो में श्रेया नए भजन ओ कान्हा रे की शूटिंग कर रही हैं। इस दौरान उनका बेटा कान्हा के रूप में दौड़कर उनके पास चला आता है। इस रूप में उसे देख वह ममता से भर उठती हैं और शूट के बीच यशोदा मां की तरह अपने बेटे को दुलार करने लगती हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे लगता था कि मैं अपने बेटे के चेहरे के हर भाव को जानती हूं, लेकिन जब मैंने उसे छोटे कान्हा के रूप में देखा, तो मैं पूरी तरह से उसे देखकर चौंक गई। देव्यान की शूट में आने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उसके पापा ने उसे छोटे कान्हा का कपड़ा पहनाया और जब वह शूटिंग फ्लोर पर आया, तो मेरा दिल एक पल के लिए रुक गया और मेरी आंखों से खुशी के आंसू छलक आए। उन्होंने आगे कहा, उस दिन मुझे ऐसा लगा जैसे श्रीकृष्ण खुद मेरे आसपास मौजूद हैं। मेरा दिल उस पल को हमेशा के लिए सहेज कर रखेगा। श्रेया का यह फोटोशूट और वीडियो न केवल उनके लिए यादगार है, बल्कि फैंस के लिए भी बेहद खास है।

➢ यशोदा मां की तरह किया लाड

बेटिंग ऐप प्रमोशन मामला:

ईडी के सामने पेश हुई मंचू लक्ष्मी

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता मंचू लक्ष्मी प्रसन्ना बुधवार को बेटिंग ऐप प्रमोशन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुईं। लक्ष्मी सुबह करीब 10 बजकर 30 मिनट पर हैदराबाद के बशीरबाग स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचीं। ईडी अधिकारियों ने उनसे सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार, उनके साइन किए अनुबंधों और प्राप्त फीस के बारे में पूछताछ की। केंद्रीय एजेंसी ने उनके बयान दर्ज किए और वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी जुटाई। मंचू लक्ष्मी इस मामले में ईडी के सामने पेश होने वाली चौथी अभिनेत्री हैं। इससे पहले अभिनेता प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और राणा दग्गुबाती भी ईडी के सामने पेश हो चुके हैं। इन अभिनेताओं से 4-5 घंटे तक पूछताछ की गई थी। राणा दग्गुबाती से सोमवार को करीब चार घंटे तक सवाल-जवाब हुए। ईडी ने पिछले महीने राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और मंचू लक्ष्मी को इस मामले में समन जारी किया था। प्रकाश राज 30 जुलाई और विजय देवरकोंडा 6 अगस्त को ईडी के सामने पेश हुए थे। यह मामला 29 हस्तियों, जिनमें अभिनेता, प्रभावशाली लोग और यूट्यूबर शामिल हैं, के खिलाफ दर्ज किया गया है। इन पर गैरकानूनी सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने का आरोप है, जो पब्लिक गैंबलिंग एक्ट, 1867 का उल्लंघन करता है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की है, जो तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच एफआईआर पर आधारित है। मार्च 2024 में साइबराबाद पुलिस ने विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज और अन्य के खिलाफ सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए मामला दर्ज किया था। राणा और विजय ने दावा किया कि उन्होंने केवल कानूनी ऑनलाइन स्किल-बेस्ड गेम्स का प्रचार किया। विजय देवरकोंडा ने 6 अगस्त को पूछताछ के बाद कहा कि उन्होंने एक गेमिंग ऐप का प्रचार किया था, जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और लाइसेंस प्राप्त है। उन्होंने अपने खाते, कंपनी और वित्तीय लेनदेन की जानकारी दी। वहीं, प्रकाश राज ने बताया कि उन्होंने 2016 में एक गेमिंग ऐप का विज्ञापन किया था, लेकिन नैतिक कारणों से कोई भुगतान नहीं लिया और बाद में इसका प्रचार बंद कर दिया। ईडी अब इस मामले में वित्तीय लेनदेन और प्रचार गतिविधियों की गहराई से जांच कर रही है।

अनीता हसनंदानी ने दोस्त ऐश्वर्या खरे का लिया पक्ष, कहा-

मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी इन दिनों रियलिटी शो छोरियां चाली गांव को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो में अभिनेत्री ने दोस्ती की मिसाल पेश की। हालिया एपिसोड में अनीता ने अपनी करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे की गैरमौजूदगी में उनका पक्ष लेते हुए कहा, ÷मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी। शो के नए एपिसोड में एरिका पैकर्ड ने अपनी सबसे करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे को ही बाहर करने का फैसला लिया। यह फैसला सभी के लिए चौंकाने वाला था, खासकर अनीता के लिए, क्योंकि दो एपिसोड पहले ही एरिका ने ऐश्वर्या को अपनी सब कुछ बताया था। खास बात यह है कि जब एरिका ने यह फैसला तब सुनाया, जब ऐश्वर्या वहां मौजूद नहीं थीं। अनीता ने अपनी दोस्त की अनुपस्थिति में उनका पक्ष लिया और कहा, मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी। अनीता का मानना है कि अगर ऐश्वर्या वहां होतीं, तो वह खुद अपनी बात रखतीं। अनीता के अलावा शो के होस्ट रणविजय ने भी ऐश्वर्या का समर्थन किया। इसके बाद ऐश्वर्या को अपने नामांकन के बारे में पता चला, जिस पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा,÷यह जगह हर तरफ से आपकी परीक्षा लेती है। बता दें, लेटेस्ट एपिसोड में वोटिंग राउंड के दौरान ऐश्वर्या ने एरिका का नाम लिया था ताकि वो बसेरा की मालकिन बन सकें। ऐश्वर्या ने कहा, हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे, एक-दूसरे का साथ देते थे। ये सब तो बस एक खेल का हिस्सा है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ हो जाएगा। जब नोमिनेशन में एरिका ने मेरा नाम लिया, तो मुझे ये सब बदला लगा। उसके पास और भी नाम थे, लेकिन उसने फिर भी मेरा नाम चुना, जिससे पता चलता। इस बीच, एरिका ने भी अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा, यह गेम की एक रणनीति थी और आगे बढ़ने के लिए जरूरी भी था।

ईशा तलवार के बाद अब

अभिनव शुक्ला ने कास्टिंग डायरेक्टर की खोली पोल

बॉलीवुड और टेलीविजन की दुनिया में संघर्ष और रिजेक्शन आम बात है, लेकिन कुछ अनुभव ऐसे होते हैं जो कलाकार के आत्मबल को पूरी तरह बदल देते हैं। अभिनेता और बिग बॉस 14 फेम अभिनव शुक्ला ने हाल ही में अपनी ऑडिशन से जुड़ी एक घटना शेयर की, जो न सिर्फ उनके लिए एक सीख बनी, बल्कि हजारों उभरते कलाकारों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

अभिनव शुक्ला ने शेयर किया एक्सपीरियंस

यह घटना वर्ष 2014 की है, जब अभिनव की फिल्म 'रोर' रिलीज के करीब थी। उन्होंने अपने शुभचिंतकों के कहने पर यशराज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर से मिलने का फैसला किया। शानू शर्मा के साथ यह मुलाकात उनके करियर का मोड़ बन सकती थी, लेकिन कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें यह कहकर नकार दिया कि वो अच्छे दिखते हैं, पर उनमें स्पार्क नहीं है। ये शब्द उनके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचाने वाले थे।

संजय लीला भंसाली से हुई मुलाकात

हालांकि, अभिनव ने हार नहीं मानी। उन्होंने इस तजुर्बे का इस्तेमाल किया और अपने अंदर सुधार की कोशिशें जारी रखीं। वर्षों बाद, किस्मत उन्हें एक अलग मोड़ पर लेकर आई, जब वह दिग्गज निर्देशक संजय लीला भंसाली से मिलने पहुंचे। यहां उन्हें बिल्कुल विपरीत प्रतिक्रिया मिली। भंसाली ने न सिर्फ उनकी प्रतिभा की सराहना की, बल्कि यह भी पूछा कि उन्होंने अब तक ज्यादा काम क्यों नहीं किया।

साभार एजेंसी

फिल्म अल्फा में आलिया और शरवरी का नया होगा लुक, कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने किया बड़ा दावा

कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस यशराज फिल्म्स की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक साथ नजर आएंगी। कोरियोग्राफर का कहना है कि फिल्म में एक्शन होगा। फिल्म में स्टाइल और बेहतरीन डांस मूव्स भी हो सकते हैं।

बातचीत में बॉस्को ने फिल्म की अभिनेत्रियों द्वारा किये गए काम की तारफी की है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि फिल्म में सभी का काम एकदम अलग होने वाला है। मुझे लगता है कि फिल्म में दोनों का काम काफी बड़ा होगा। उनका लुक बेहतरीन होगा। फिल्म में आपको आलिया और शरवरी वाघ एकदम अलग लुक में दिखेंगी। उनके लुक में जो बदलाव होगा वह एकदम नया होगा। मैं ज्यादा कुछ तो नहीं कहूंगा लेकिन इतना जरूर है कि दोनों ने फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है। बॉस्को फिल्म वॉर, पठान और बैंग बैंग जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कोरियोग्राफी के लिए मशहूर हैं। उन्होंने इशारा किया कि फिल्म अल्फा दर्शकों को सिर्फ डांस नंबर्स से कहीं ज्यादा कुछ दिखाएगी। इसमें अभिनेत्रियों को बिल्कुल नए अंदाज में दिखाया जाएगा। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा मुझे पूरा भरोसा है कि आप फिल्म में बहुत कुछ दमदार देखने वाले हैं। फिल्म अल्फा के बारे में जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। हालांकि इतना मालूम है कि यह फिल्म आलिया भट्ट की पहली एक्शन फिल्म होगी। शरवरी भी फिल्म में एक्शन करती हुई नजर आएंगी। बताया जाता है कि कोरियोग्राफी इस फिल्म की कहानी को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने की सगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के 25 वर्षीय बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने सानिया चंडोक से सगाई कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह समारोह निजी तौर पर आयोजित किया गया था जिसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। सानिया मुंबई के प्रमुख उद्योगपति रवि घई की पोती हैं। उनके परिवार के पास इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और ब्रुकलिन क्रीमरी आइसक्रीम ब्रांड सहित खाद्य और आतिथ्य क्षेत्र के कई प्रसिद्ध कारोबारी हैं। अपनी निजी जिंदगी को बनाए रखने के लिए जानी जाने वाली सानिया मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित व्यावसायिक परिवारों में से एक से ताल्लुक रखती हैं। तेंदुलकर और उनके परिवार ने सगाई के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। यह समारोह एक निजी समारोह रहा, जो दोनों परिवारों के निजी स्वभाव को दर्शाता है। अर्जुन एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं जो वर्तमान में घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए खेलते हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का भी प्रतिनिधित्व किया है। भारत की अंडर-19 टीम में जगह बनाने से पहले उनका क्रिकेट करियर मुंबई के जूनियर सर्किट से शुरू हुआ था। उन्होंने 2020-21 सीजन में हरियाणा के खिलाफ मुंबई के लिए अपना टी20 डेब्यू किया और बाद में 2022-23 में गोवा चले गए, जहां उन्होंने लिस्ट ए और प्रथम श्रेणी क्रिकेट दोनों में डेब्यू किया। लाल गेंद के मैचों में उन्होंने 17 मैच खेले हैं, 37 विकेट लिए हैं और 532 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में उन्होंने 17 मैचों में हिस्सा लिया है, 76 रन बनाए हैं और गेंद से भी योगदान दिया है।

आईपीएल में अर्जुन ने मुंबई इंडियंस के लिए 5 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 3 विकेट लिए हैं और बल्ले और गेंद दोनों से अपनी क्षमता की झलक दिखाई है। इस सगाई पर प्रशंसकों की हार्दिक शुभकामनाएं मिली हैं, जो इस युवा क्रिकेटर के बढ़ते खेल करियर के साथ-साथ एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी है।

एशिया कप से पहले बासित अली की पाकिस्तान को चेतावनी, बोले-

इतना मारेंगे कि सोचा भी नहीं होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज दौरे में मिली शर्मनाक हार के बाद टीम की आलोचना तेज हो गई है. पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने तो यहां तक कह दिया कि अगर भारत एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का फैसला करता है, तो टीम को ऐसी हार मिलेगी जिसके बारे में कभी सोचा भी नहीं होगा.

वेस्टइंडीज के खिलाफ करारी शिकस्त

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत अच्छी की थी और पहला मैच जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद टीम का प्रदर्शन पूरी तरह से बिखर गया. दूसरे वनडे में हार के बाद तीसरे मैच में तो हालत और भी खराब रही.पहले तीन ओवरों में ही साइम अयूब, अब्दुल्ला शफीक और कप्तान मोहम्मद रिजवान बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए. इसके बाद गिरते विकेटों का सिलसिला थम नहीं सका और पूरी टीम 30 ओवर के भीतर सिर्फ 92 रन पर ढेर हो गई.

कैरेबियन तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने आठ ओवर में 18 रन देकर 6 विकेट लिए. उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते पाकिस्तान 202 रन से हार गया और सीरीज 1-2 से वेस्टइंडीज के नाम हो गई.

बासित अली का सख्त बयान

पाकिस्तान के इस प्रदर्शन पर बासित अली ने 'द गेम प्लान' यूट्यूब चैनल पर कहा, मैं चाहता हूं कि भारत एशिया कप में भी पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इंकार कर दे, जैसे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के फाइनल में किया था.

अगर ऐसा नहीं हुआ, तो भारतीय टीम इतना मारेगी ना कि पाकिस्तान ने सोचा भी नहीं होगा. बातचीत के बीच में ही होस्ट ने जब मजाक में कहा कि अभी तो पाकिस्तान को अफगानिस्तान के साथ भी खेलना है और उनके पास अफगानिस्तान के खिलाफ मौका नहीं है, तो बासित अली ने जवाब दिया, अफगानिस्तान से हारने पर यहां कोई ज्यादा परवाह नहीं करेगा, लेकिन भारत से हारते ही पूरा देश बौखला जाता है.

एशिया कप में बढ़ा दबाव

पाकिस्तान को वनडे सीरीज में मिली हार के साथ ही टी20 में भी वेस्टइंडीज ने 3 मैचों की सीरीज 2-1 से जीती थी. आने वाला एशिया कप भी टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए पाकिस्तान के लिए भारत के खिलाफ मुकाबला और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है.

चेन्नई ग्रांडमास्टर्स शतरंज

निहाल नें रोबसन को हराया , केमर की एकल बढ़त कायम

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के अब तक के सबसे मजबूत ग्रांड मास्टर्स क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज के सातवें राउंड के बाद जर्मनी के विन्सेंट केमर 5.5 अंको के साथ बेहद मजबूत बढ़त बना चुके है और अब उनके कदम साफ तौर पर खिताब की और बढ़ रहे है । विन्सेंट नें आज यूएसए के लियांग आवोण्डर को पराजित करते हुए अपनी चौंथी जीत दर्ज की , अभी तक अपराजित चल रहे विन्सेंट नें 4 जीत और 3 ड्रॉ के परिणाम हासिल किए है और फिलहाल अपनी विश्व रैंकिंग में 17 अंक जोड़ते हुए वह 2747 अंको के साथ विश्व टॉप 10 में पहुँच गए है । सातवें राउंड में भारत के निहाल सरीन नें यूएसए के रोबसन राय को पराजित करते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की तो वहीं भारत के मुरली कार्तिकेयन

नें हमवतन विदित गुजराती को पराजित किया , अन्य बाजियों में वान फॉरेस्ट जॉर्डन नें भारत के प्रणव वी से और भारत के अर्जुन एरीगैसी नें नीदरलैंड के अनीश गिरि से ड्रॉ खेला । 9 राउंड की इस स्पर्धा में सात राउंड के बाद विन्सेंट 5.5 अंक , अर्जुन और मुरली 4 अंक , अनीश , लियांग और जॉर्डन 3.5 अंक ,विदित और निहाल 3 अंक और रोबसन और प्रणव 2.5 अंक बनाकर खेल रहे है ।

Asia Cup 2025:

शाहीन अफरीदी इन, बाबर-रिजवान आउट, सलमान कप्तान; एशिया कप के लिए ऐसी हो सकती है पाकिस्तान की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होगी और इस टूर्नामेंट का आयोजन दुबई में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले देशों ने अभी अपनी-अपनी टीमों का ऐलान नहीं किया है जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। पाकिस्तान की टीम इस बार कैसी होगी इस पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई है, लेकिन जिस तरह से हालात हैं उससे लगता है कि पाकिस्तान की टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शायद ही जगह मिले।

बाबर-रिजवान को शायद ही मिले मौका: पिछले एशिया कप में पाकिस्तान की कप्तानी बाबर आजम के हाथों में थी, लेकिन इस बार वो इस टूर्नामेंट में बतौर खिलाड़ी भी शायद नहीं खेल पाएं। बाबर आजम का प्रदर्शन पिछले कुछ महीनों से काफी खराब रहा है और वो बेहद खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। इसके अलावा इस साल उन्होंने पाकिस्तान के लिए कोई भी टी20 मैच नहीं खेला है साथ ही साथ उन्हें टी20 टीम से लगातार ड्रॉप किया जा रहा है। ये इस बात का संकेत है कि पीसीबी उन्हें शायद टी20 की योजना में नहीं देख रही है।

शाहीन अफरीदी को टीम में मिल सकती है जगह: बाबर आजम के अलावा मोहम्मद रिजवान भी एशिया कप के लिए पाकिस्तान की टीम में शामिल किए जाएं इसकी भी संभावना कम ही लगती है क्योंकि बाबर के साथ-साथ उन्हें भी टी20 टीम से लगातार ड्रॉप किया जा रहा है। पाकिस्तान टी20 टीम की कमान इन दिनों सलमान आगा के हाथों में ही है और एशिया कप में ये टीम उनकी ही कप्तानी में खेलती नजर आ सकती है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को टीम में शामिल किया गया था ऐसे में एक उम्मीद है कि उन्हें शायद एशिया कप के लिए टीम में जगह दी जाए।

फखर जमान के खेलने पर सस्पेंस: पाकिस्तान टीम के ओपनर बल्लेबाज फखर जमान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच के दौरान चोटिल हो गए थे ऐसे में वो टीम में चुने जाते हैं या नहीं ये देखना दिलचस्प होगा। हालांकि एक उम्मीद ये जरूर है कि बाबर-रिजवान के अनुभव को देखते हुए पीसीबी शायद उन्हें एक मौका दे दे, लेकिन मौजूदा हालात में ये संभव दिखता नहीं है। वैसे बाबर-रिजवान को अगर एशिया कप की टीम में जगह नहीं मिलती है तो वो शायद ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलते हुए दिखाई दें।

एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान की संभावित टीम

सलमान आगा (कप्तान), फखर जमान, सईम अयूब, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), हसन नवाज, साहिबजादा फरहान, फहीम अशरफ, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सुफियान मुकीम, शाहीन अफरीदी।

विश्व कप पर नजरें, ग्लेन मैक्सवेल अपनी गेंदबाजी में कर रहे सुधार

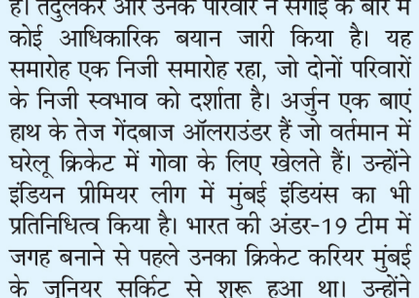

केर्नस, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के करिश्माई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अगले साल भारतीय उपमहाद्वीप में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए पावरप्ले के ओवरों में अधिक प्रभाव छोड़ने के लिए अपने स्पिन गेंदबाजी कौशल को निखार रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 में भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा और अगर मैक्सवेल फिट रहते हैं तो उनका ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह बनाना तय है। वह नियमित रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलते रहे हैं और भारतीय उपमहाद्वीप की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मैक्सवेल ने अपनी गेंदबाजी क्षमता के बावजूद 2022 के टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही घरेलू श्रृंखला के बीच सबसे छोटे प्रारूप में पावर प्ले में कुल मिलाकर 5 ओवर फेंके हैं। लेकिन इस 36 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि वह टी20 विश्व कप के दौरान पावरप्ले ओवरों में उपयोगी साबित हो सकते हैं, क्योंकि नई गेंद उपमहाद्वीप के विकेटों पर बेहतर पकड़ बनाती है। मैक्सवेल ने कहा, 'मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप में आप शुरुआत में स्पिनर के तौर पर विकेट से थोड़ा अधिक लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे विकेट लेना बहुत पसंद है। जब भी मैं किसी को आउट करता हूं तो मुझे हैरानी होती है। मैं पावरप्ले में अपनी भूमिका निभाना चाहता हूं और इसमें अधिक बेहतर तरीके से गेंदबाजी करने की कोशिश कर रहा हूं।

'बस यही एक चीज है जो मैं कर सकता हूं...'

ऋषभ पंत ने बनाया पिज्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में लगी पैर की चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह पिज्जा बनाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। ऋषभ पंत ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, इम्पैस्टो, साल्सा, फोर्नो... और मैं। पंत वीडियो में कहते हैं, आज मैं आपको पिज्जा बनाना सिखाऊंगा। मेरा साथ दीजिए। पंत ने आटे को आकार देते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैं शाकाहारी पिज्जा बनाऊंगा। मुझे शाकाहारी खाना बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि अगर मैं और पिज्जा बनाऊं, तो मैं ठीक हो जाऊंगा।

आईओए ने भारत में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए देश की बोली को बुधवार को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। आज यहां आयोजित आईओए की विशेष आम बैठक (एजीएम) में यह फैसला लिया गया। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही रुचि पत्र जमा कर दिया था और अब उसके पास अंतिम बोली प्रस्ताव दाखिल करने के लिए 31 अगस्त तक का समय है। बैठक के बाद आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'मुझे खुशी है कि सभी एकमत हैं और यह सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय है और हमारी तैयारियां आगे बढ़ेंगी। हम यह नहीं कह सकते कि अहमदाबाद मेजबानी शहर होगा या नहीं। हमारे पास भुवनेश्वर और दिल्ली में भी अच्छी सुविधाएं हैं।

हेलमेट पर लगी गेंद, सिर पर हुआ असर, इंजरी के चलते तीसरा खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इधर एशिया कप होना है, जिसके लिए भारतीय टीम का चुना जाना अभी बाकी है. उधर, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही व्हाइट बॉल सीरीज से एक के बाद एक खिलाड़ियों के टीम से बाहर होने का सिलसिला जारी है. इस व्हाइट बॉल सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम से अब तक 3 खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं. बाहर होने वाले तीसरे खिलाड़ी का नाम मिचेल ओवन है, जो कि कन्कशन का शिकार हुए हैं. कन्कशन के चलते मिचेल ओवन सिर्फ साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के डिसाइडर से ही नहीं बल्कि उसके बाद होने वाली वनडे सीरीज से भी बाहर हो चुके हैं. मिचेल ओवन कन्कशन का शिकार हेलमेट पर गेंद लगने से हुए. उनके हेलमेट पर साउथ अफ्रीकी पेस कैगिसो रबाडा की गेंद लगी थी. हालांकि, गेंद ने उनके हेलमेट के ग्रिल को हिट किया था, उसके बावजूद उन्हें परेशानी होती दिखी है. मिचेल ओवन को 12 दिन का आराम दिया गया है, जिसके चलते उनके वनडे डेब्यू का इंतजार बढ़ गया है.

यूएस ओपन:

45 साल की उम्र में वीनस विलियम्स को यूएस ओपन में मिला वाइल्ड कार्ड, दो साल बाद करेंगी वापसी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ के अनुसार, 1981 में रेनी रिचर्ड्स के 47 साल की उम्र के बाद वीनस इस टूर्नामेंट के एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगी। वीनस विलियम्स दो साल के अंतराल के बाद यूएस ओपन के साथ ग्रैंडस्लैम टेनिस में वापसी करेंगी। उन्हें बुधवार को वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम में 45 साल की उम्र में एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने के लिए वाइल्ड-कार्ड मिला है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ के अनुसार, 1981 में रेनी रिचर्ड्स के 47 साल की उम्र के बाद यह अमेरिकी खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के एकल मुकाबलों में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगी। विलियम्स को अगले हफ्ते होने वाले मिश्रित युगल मुकाबले के लिए अमेरिकी टेनिस संघ द्वारा पहले ही वाइल्ड कार्ड मिल गया था। एकल मुकाबले 24 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होंगे। वीनस सात बड़े एकल खिताब जीतने वाली खिलाड़ी हैं जिसमें 2000 और 2001 में यूएस ओपन जीतना शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के तीन प्रमुख खिलाड़ी चोटिल, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैथ्यू और आरोन को बुलाया वापस

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने 19 अगस्त से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही आगामी घरेलू सीरीज के लिए तीन प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के बाद स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन और तेज गेंदबाज ऑलराउंडर आरोन हार्डी को वनडे टीम में वापस बुलाया है। बल्लेबाजी जोड़ी मैट शॉर्ट (साइड स्ट्रेन) और मिच ओवेन (कनकशन) तथा ऑलराउंडर लांस मॉरिस (पीठ) केर्नस में शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

आईसीसी के अनुसार टीम ने स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन और तेज गेंदबाज ऑलराउंडर आरोन हार्डी को उनकी जगह टीम में शामिल किया है।

शॉर्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में कैरिबियन में हुई सफेद गेंद की सीरीज के दौरान ट्रेनिंग के दौरान लगी चोट से अभी तक उबर नहीं पाए हैं। वहीं, मॉरिस ने पीठ में दर्द की शिकायत की है और उन्हें आगे की जांच के लिए पर्थ वापस भेज दिया गया है।

इस बीच ओवेन को प्रोटियाज के खिलाफ दूसरे टी20आई मैच के दौरान हेलमेट पर गेंद लगने के बाद विलंबित कन्कशन के लक्षण दिखाई दिए और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के 12-दिवसीय कन्कशन प्रोटोकॉल के कारण उन्हें टी20आई श्रृंखला के अंतिम मैच और पूरी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर बैठना पड़ेगा।

कुहनेमन और हार्डी दोनों ही पहले से ही क्रीसलैंड में हैं और उस टीम का हिस्सा हैं जो सफेद गेंद श्रृंखला के टी20आई भाग में भाग ले रही है और श्रृंखला का निर्णायक तीसरा मैच शनिवार को खेला जाएगा। वर्तमान में चल रही टी20 श्रृंखला 1-1 से बराबर है, और तीसरा और अंतिम टी20 शनिवार को खेला जाएगा। एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच केर्नस में होगा। दूसरा और तीसरा एकदिवसीय मैच 22 और 24 अगस्त को मैके में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, एडम जम्पा।

यूईएफए सुपर कप: पीएसजी ने यूईएफए सुपर कप जीता, फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में टॉटेनहैम को हराया

पेरिस, एजेंसी। पीएसजी ने इस साल चैंपियंस लीग,लीग 1 और कूप डी फ्रांस का तिहरा खिताब जीता था। उसने जनवरी में ट्रॉफी डेस चैंपियंस भी जीता था। चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए बुधवार को पेनल्टी शूटआउट में टॉटेनहैम को हराकर यूईएफए सुपर कप जीत लिया। यह फ्रांस के इस फुटबॉल क्लब की इस साल में पांचवी ट्रॉफी है। नूनो मेंडेस ने शूटआउट में निर्णायक स्पॉट किक को गोल में बदलकर पीएसजी की शानदार वापसी को अंजाम तक पहुंचा। पीएसजी की जीत एक समय असंभव लग रही थी क्योंकि चैंपियंस लीग और यूरोपा लीग के विजेताओं के बीच खेले गए इस वार्षिक मैच में टॉटेनहैम निर्धारित समय के 85वें मिनट तक 2-0 से आगे चल रहा था। ली कांग-इन ने निचले कोने में जोरदार शॉट लगाकर पीएसजी के लिए पहला गोल किया जबकि उनके साथी खिलाड़ी गोंकालो रामोस ने इंजरी टाइम के चौथे मिनट में बराबरी का गोल दागकर उडीन के स्टेडियो फ्रीउली में खेले गए इस रोमांचक मैच में स्कोर 2-2 कर दिया। पेनल्टी शूटआउट में पीएसजी के लिए विटिना पहले प्रयास में चूक गए।

दिवाली से पहले PM मोदी का दोहरा तोहफा

-GST स्लैब घटाने और 3.5 करोड़ रोजगार योजना का ऐलान

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से देश को संबोधित करते हुए दो बड़े ऐलान किए, जो आम जनता और युवाओं दोनों के लिए अहम हैं। पहला, उन्होंने "प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना" लॉन्च की, जिसके तहत 1 लाख करोड़ रुपए का निवेश कर साढ़े 3 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। दूसरा, उन्होंने GST प्रणाली में बड़े सुधार की घोषणा की, जिसके तहत रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं पर टैक्स घटाने का प्रस्ताव है।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना – 3.5 करोड़ नौकरियों का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन सिर्फ आज़ादी का जश्न मनाने का नहीं बल्कि नए भारत के निर्माण के संकल्प का दिन है। इस मौके पर उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए बताया कि 1 लाख करोड़ रुपए के बजट वाली रोजगार योजना दिवाली से पहले पूरी तरह लागू की जाएगी। लक्ष्य: 3.5 करोड़ युवाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देना। क्षेत्र: विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, MSME, कृषि-आधारित उद्योग और स्टार्टअप्स। प्राथमिकता: स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में रोजगार अवसर बढ़ाना। प्रधानमंत्री ने कहा – "यह योजना युवाओं को न केवल नौकरी देगी बल्कि उन्हें कौशल विकास और उद्यमिता के अवसर भी प्रदान करेगी।"

GST रिफॉर्म्स – टैक्स स्लैब घटाकर आसान व्यवस्था

GST लागू होने के आठ साल बाद केंद्र सरकार ने इसके ढांचे में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा है। मोदी ने कहा कि अब 4 स्लैब की जगह 2 स्लैब रखने का प्लान है, जिससे टैक्सेशन प्रणाली ज्यादा सरल और पारदर्शी होगी। मौजूदा व्यवस्था: 5%, 12%, 18% और 28% – चार मुख्य स्लैब। नई प्रस्तावित व्यवस्था: केवल 2 स्लैब – एक रोजमर्रा के सामान के लिए और दूसरा विलासिता/गैर-जरूरी सामान के लिए।

मुख्य फायदा: दूध, आटा, दाल, सब्जियां, टूथपेस्ट, साबुन, कपड़े, जूते जैसे रोजमर्रा के सामान सस्ते होंगे। कारोबारियों के लिए टैक्स फाइलिंग आसान होगी। GST चोरी की संभावना कम होगी। मोदी ने कहा – "हम नेक्स्ट जेनरेशन GST रिफॉर्म्स लेकर आ रहे हैं। सामान्य लोगों के लिए टैक्स कम कर देंगे, रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएगी, लोगों को बहुत फायदा होगा।"

दिवाली गिफ्ट – जनता की जेब पर सीधा असर

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव दिवाली से पहले लागू हो जाएंगे। इसका मतलब है कि त्योहार के मौसम में उपभोक्ताओं को सस्ते दामों पर जरूरी सामान मिल सकेगा।

उपभोक्ताओं के लिए लाभ: महंगाई में राहत। त्योहार के मौसम में खरीदारी का बोझ कम होगा।

व्यापारियों के लिए लाभ: टैक्स ढांचा आसान होने से कागजी कार्यवाही घटेगी। बाजार में मांग बढ़ेगी, जिससे उत्पादन में इजाफा होगा।

राजकोषीय संतुलन और निवेश का माहौल

विशेषज्ञों के अनुसार, GST स्लैब घटाने से भले ही शुरुआती दौर में सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यह मांग बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। वहीं, 1 लाख करोड़ की रोजगार योजना से उद्योगों में निवेश का माहौल बनेगा और ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

आर्थिक सुधारों की दिशा में एक और कदम

मोदी सरकार पहले से ही डिजिटल भुगतान, स्टार्टअप प्रोत्साहन, मेक इन इंडिया, और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) जैसी योजनाएं चला रही है। नई घोषणाएं इस श्रृंखला को और आगे बढ़ाती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि समान और संतुलित विकास है, जिसमें हर नागरिक को अवसर मिले। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से किया गया यह ऐलान आम जनता, व्यापारियों और युवाओं सभी के लिए महत्वपूर्ण है। एक ओर, GST रिफॉर्म्स से आम उपभोक्ता की जेब में राहत मिलेगी और बाजार में रौनक बढ़ेगी। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से रोजगार और कौशल विकास को नई दिशा मिलेगी।

लाल किले से PM मोदी का सबसे लंबा भाषण

-ऑपरेशन सिंदूर से आत्मनिर्भर भारत और RSS तक

नई दिल्ली। 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से लगातार 12वीं बार तिरंगा फहराया और देश को संबोधित किया। इस बार उनका भाषण अब तक का सबसे लंबा रहा, जो 103 मिनट तक चला। भाषण की शुरुआत उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के उल्लेख से की, जिस पर उन्होंने 13 मिनट से भी ज्यादा विस्तार से बात की। इसके अलावा आतंकवाद, सिंधु जल समझौता, आत्मनिर्भरता, 'मेड इन इंडिया' अभियान, नक्सलवाद और अवैध घुसपैठ जैसे कई अहम मुद्दों पर उन्होंने अपनी बात रखी। खास बात यह रही कि पहली बार उन्होंने लाल किले से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) का नाम लेकर उसकी सराहना की।

ऑपरेशन सिंदूर – पराक्रम की मिसाल

प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने वो करके दिखाया, जो दशकों तक भुलाया नहीं जा सकता। सैकड़ों किलोमीटर दुश्मन की धरती में घुसकर आतंकियों को नेस्तनाबूद करना, ये कोई साधारण काम नहीं था। पाकिस्तान की नींद आज भी उड़ी हुई है।" उन्होंने बताया कि यह अभियान भारत की सैन्य क्षमता, रणनीतिक तैयारी और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन का नतीजा है। मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर भारत रक्षा उपकरणों में आत्मनिर्भर न होता, तो इस तरह की तेज और सफल कार्रवाई संभव नहीं थी। "दुश्मन को यह तक समझ में नहीं आया कि कौन सा हथियार उन्हें खत्म कर रहा है। यह 'मेड इन इंडिया' की शक्ति है, यह भारत के नवाचार और तकनीकी श्रेष्ठता का प्रमाण है," उन्होंने कहा।

आत्मनिर्भर भारत – सुरक्षा और विकास का आधार

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती से दोहराया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि यह देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विकास के लिए आधारशिला है। रक्षा उत्पादन से लेकर अंतरिक्ष और डिजिटल तकनीक तक, भारत तेजी से 'मेक इन इंडिया' के मार्ग पर बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले वर्षों में भारत रक्षा निर्यात के मामले में दुनिया के प्रमुख देशों में शामिल होगा। यह न केवल हमारी सेनाओं को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को और सशक्त बनाएगा।

आतंकवाद और नक्सलवाद पर सख्त संदेश

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद और नक्सलवाद दोनों पर कड़ा रुख अपनाने का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि भारत की धरती पर किसी भी प्रकार के आतंक और हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पिछले वर्षों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ी है और सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने दोहराया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति स्पष्ट है – "आतंक को जन्म देने वालों और उसे पनाह देने वालों, दोनों को कीमत चुकानी पड़ेगी।"

अवैध घुसपैठ पर चेतावनी

मोदी ने अवैध घुसपैठ को देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि सीमाओं की निगरानी के लिए तकनीकी साधनों का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। साथ ही, राज्य सरकारों के सहयोग से अवैध घुसपैठ पर पूरी तरह नकेल कसने के प्रयास तेज किए गए हैं।

सिंधु जल समझौता पर पुनर्विचार का संकेत

प्रधानमंत्री ने पहली बार खुले मंच से सिंधु जल समझौता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय हालात में इस समझौते की समीक्षा जरूरी है, ताकि भारत के हितों की रक्षा हो सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल संसाधन भारत के विकास के लिए अनिवार्य हैं और इस पर किसी भी तरह का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

RSS की सराहना – पहली बार लाल किले से

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) का नाम लेकर उसकी तारीफ की। उन्होंने कहा, "जब देश संकट में होता है, तब हर संगठन, हर नागरिक को एकजुट होकर काम करना चाहिए। RSS ने कई मौकों पर सामाजिक सेवा और आपदा प्रबंधन में अहम योगदान दिया है।" यह बयान राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि लाल किले के भाषण में RSS का जिक्र पहले कभी नहीं हुआ था।

मोदी का 103 मिनट का ऐतिहासिक भाषण: स्वतंत्रता दिवस पर अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए अब तक का अपना सबसे लंबा भाषण दिया। इस बार उन्होंने 103 मिनट तक राष्ट्र को संबोधित किया, जो न केवल उनके राजनीतिक करियर बल्कि भारत के स्वतंत्रता दिवस इतिहास में भी एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले, सबसे लंबा भाषण देने का रिकॉर्ड भी उनके ही नाम था, जब उन्होंने 2024 में 98 मिनट तक भाषण दिया था।

2017 में सबसे छोटा भाषण, 2016 में 96 मिनट

मोदी के भाषणों की अवधि पर नजर डालें तो यह स्पष्ट होता है कि समय के साथ उनकी स्पीच लंबी होती गई है। 2016 में उन्होंने 96 मिनट तक संबोधन किया था, जो उस समय तक उनका सबसे लंबा भाषण था। लेकिन 2017 में उन्होंने इसे काफी छोटा रखते हुए केवल 56 मिनट तक बात की थी। यह उनके स्वतंत्रता दिवस भाषणों का सबसे छोटा रिकॉर्ड है।

चार बार 90 मिनट से ज्यादा बोले

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर अब तक चार बार 90 मिनट से ज्यादा समय तक देश को संबोधित किया है। ये वर्ष हैं — 2019, 2020, 2023 और 2024। इन वर्षों में उनका भाषण न केवल समय की दृष्टि से लंबा रहा, बल्कि विषयों की व्यापकता और गहराई के लिहाज से भी चर्चा में रहा। 2025 में 103 मिनट का यह भाषण इस क्रम को और आगे बढ़ाता है।

2014 में पहला भाषण — 65 मिनट

प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 2014 में लाल किले से अपना पहला स्वतंत्रता दिवस भाषण दिया था। उस समय उन्होंने 65 मिनट तक संबोधन किया था। उस भाषण में उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं का ऐलान किया था, जो बाद में देशव्यापी आंदोलन का रूप ले चुका है।

लंबे भाषणों का महत्व

मोदी के लंबे भाषणों का एक खास पहलू यह है कि वे इन मंचों का इस्तेमाल न केवल सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों को बताने के लिए करते हैं, बल्कि देशवासियों को प्रेरित करने और नई दिशा देने के लिए भी करते हैं। उनकी शैली में कहानियां, उदाहरण, आँकड़े और घोषणाएं शामिल होती हैं, जिससे भाषण जीवंत और असरदार बनता है।

103 मिनट में किन मुद्दों पर बात हुई

इस बार के स्वतंत्रता दिवस भाषण में प्रधानमंत्री ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

ऑपरेशन सिंदूर: उन्होंने भारतीय सेना की हालिया सफलता और शौर्य का जिक्र करते हुए कहा कि यह पराक्रम दशकों तक याद रखा जाएगा। आर्थिक सुधार: मोदी ने जीएसटी सुधार, टैक्स स्लैब घटाने और 3.5 करोड़ रोजगार सृजन के लिए नई योजना का ऐलान किया। सामाजिक विकास: महिला सशक्तिकरण, युवाओं के कौशल विकास और गांव-शहर के बीच विकास की खाई को पाटने की दिशा में नई पहल की जानकारी दी। राष्ट्रीय एकता और गौरव: उन्होंने लाल किले से पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की तारीफ करते हुए कहा कि संगठन ने सामाजिक कार्यों में योगदान दिया है। भविष्य की दृष्टि: मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के सपने और उसके लिए रोडमैप का जिक्र किया।

पुतिन की ट्रम्प को शांति प्रयासों पर सराहना, यूक्रेन युद्ध पर शुक्रवार अलास्का में अहम मुलाक़ात

-बैठक से पहले विरोध तेज

मॉस्को/वॉशिंगटन डीसी(एजेंसी)। रूस और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव और यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में आज अलास्का एक ऐतिहासिक मुलाक़ात का गवाह बनने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की यूक्रेन जंग खत्म करने के प्रयासों की खुलकर सराहना की है।

पुतिन का बयान – "ट्रम्प ईमानदारी से कोशिश कर रहे"

क्रेमलिन द्वारा जारी एक आधिकारिक वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि ट्रम्प सरकार युद्ध रोकने और सभी पक्षों के हित में एक संतुलित समझौते तक पहुंचने के लिए "काफ़ी ऊर्जा और ईमानदारी" के साथ प्रयास कर रही है। पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि रूस किसी भी ऐसे पहल का स्वागत करेगा, जिसमें सभी पक्षों के लिए सम्मानजनक और सुरक्षित समाधान निकले। यह बयान ऐसे समय पर आया है जब आज अलास्का के एंकरेज शहर में दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध पर विशेष बैठक होने जा रही है। इस बैठक को रूस-अमेरिका संबंधों में एक संभावित "टर्निंग पॉइंट" माना जा रहा है।

ट्रम्प की रणनीति – "सफलता की संभावना 75%"

बैठक से पहले ट्रम्प ने मीडिया से कहा, "इस बैठक के नाकाम होने की लगभग 25% संभावना है। लेकिन अगर यह सफल रही तो मैं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को भी अलास्का बुलाकर त्रि-पक्षीय बातचीत करने के लिए तैयार हूं।" ट्रम्प का यह बयान बताता है कि वह यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाते हुए नतीजों को लेकर पूरी तरह आशावादी नहीं हैं, लेकिन एक मौका जरूर देना चाहते हैं।

अलास्का – क्यों चुना गया स्थल

अलास्का को इस बैठक के लिए एक "न्यूट्रल ग्राउंड" के रूप में चुना गया है। भौगोलिक रूप से यह रूस और अमेरिका के बीच की दूरी को संतुलित करता है और यहां पूर्व में भी कुछ महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय वार्ताएं हो चुकी हैं। एंकरेज का यह आयोजन स्थल आधुनिक सुरक्षा व्यवस्थाओं और गोपनीय बातचीत के लिए जाना जाता है।

बैठक का संभावित एजेंडा

सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में मुख्य रूप से तीन मुद्दों पर चर्चा होगी— यूक्रेन युद्ध में तत्काल संघर्ष विराम की संभावना, मानवीय गलियारों की स्थापना ताकि नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके, भविष्य का राजनीतिक समाधान जिसमें यूक्रेन की संप्रभुता, रूस की सुरक्षा चिंताओं और नाटो के विस्तार पर स्पष्ट समझौता शामिल होगा, इसके अलावा आर्थिक प्रतिबंधों में नरमी और ऊर्जा आपूर्ति पर भी बातचीत हो सकती है।

विरोध प्रदर्शन – अलास्का में गूंजा 'स्टैंड विद यूक्रेन'

इस अहम बैठक से पहले अलास्का के एंकरेज में यूक्रेन समर्थकों ने विरोध रैली निकाली। सैकड़ों लोग 'स्टैंड विद यूक्रेन' और 'नो डील विद पुतिन' जैसे नारे लिखे बैनर लेकर सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि किसी भी समझौते में यूक्रेन की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता नहीं होना चाहिए। रैली में शामिल एक यूक्रेनी मूल की अमेरिकी नागरिक मारिया कोवाल ने कहा, "हम शांति चाहते हैं, लेकिन ऐसी शांति नहीं जो आक्रामकता को इनाम दे।"

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

यूरोपीय संघ (EU) के कुछ देशों ने इस बैठक का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी है कि यूक्रेन के हितों की अनदेखी करने वाला कोई भी समझौता अस्थिर होगा। नाटो के महासचिव ने भी कहा कि "डिप्लोमैसी हमेशा बेहतर विकल्प है, लेकिन यह न्यायपूर्ण और स्थायी होनी चाहिए।"

संभावित परिणाम और चुनौतियां

इस मुलाक़ात से बड़े नतीजों की उम्मीद तो की जा रही है, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच भरोसे की भारी कमी, युद्ध के मैदान में चल रही सक्रिय लड़ाई, पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध, और घरेलू राजनीतिक दबाव – ये सभी किसी भी समझौते को जटिल बना सकते हैं।

उम्मीद और सशंकाओं के बीच

अलास्का की यह बैठक एक तरफ जहां युद्ध से थके हुए लाखों लोगों के लिए उम्मीद की किरण है, वहीं दूसरी तरफ इसमें असफलता की संभावना भी मौजूद है। पुतिन की तारीफ़ और ट्रम्प का त्रि-पक्षीय वार्ता का संकेत यह दर्शाता है कि कूटनीतिक रास्ता अभी बंद नहीं हुआ है। लेकिन यह तभी सफल हो सकता है जब सभी पक्ष अपने-अपने अधिकतम लाभ के बजाय सामूहिक शांति और स्थिरता को प्राथमिकता दें। अगर यह बैठक सफल रही तो यह यूक्रेन युद्ध में निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है, और अगर असफल रही तो शायद युद्ध और भी लंबा खिंच सकता है। फिलहाल, दुनिया की निगाहें अलास्का पर टिकी हैं।

ट्रम्प का दावा – भारत-पाकिस्तान को परमाणु जंग से बचाया

-6-7 लड़ाकू विमान गिरे, 6 महीने में 6 युद्ध रोके

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर अपने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता और संकट समाधान के कौशल का दावा करते हुए कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच ऐसा टकराव टाल दिया, जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उस समय हालात इतने तनावपूर्ण थे कि दोनों मुल्क परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की स्थिति में पहुँच सकते थे।

भारत-पाकिस्तान के बीच चरम तनाव का दौर

ट्रम्प के मुताबिक, यह घटना उस समय की है जब भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बेहद गंभीर सैन्य टकराव चल रहा था। दोनों देशों के लड़ाकू विमानों के बीच हवाई झड़पें हुईं, जिनमें 6 से 7 विमान मार गिराए गए। यह वह समय था जब एक छोटी सी गलती या गलतफहमी किसी बड़े विनाशकारी युद्ध को जन्म दे सकती थी। भारत और पाकिस्तान, दोनों परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं, और इनके बीच पहले भी कई बार युद्ध हो चुका है। कश्मीर और सीमाई विवाद लंबे समय से तनाव का कारण बने हुए हैं। ट्रम्प का दावा है कि इस बार मामला बेहद खतरनाक मोड़ पर था और अगर उन्होंने दखल नहीं दिया होता, तो परिणाम भयावह हो सकते थे।

"मैंने विवाद सुलझाया" – ट्रम्प

ट्रम्प ने कहा, "उस समय हालात इतने तनावपूर्ण थे कि कोई भी पक्ष परमाणु हथियार के इस्तेमाल की तरफ बढ़ सकता था। लेकिन हमने यह मामला सुलझा लिया।" उन्होंने बताया कि कूटनीतिक प्रयासों, फोन कॉल्स और बैक-चैनल डिप्लोमेसी के जरिए दोनों देशों को बातचीत और संयम की तरफ लाया गया। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिका ने इस दौरान केवल औपचारिक बयानबाजी तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि सक्रिय रूप से दोनों देशों के नेताओं और अधिकारियों से संपर्क किया। उन्होंने इशारा किया कि यह बातचीत गुप्त चैनलों के जरिए हुई और उसका असर सीधे जमीनी हालात पर पड़ा।

6 महीने में 6 युद्ध रोके जाने का दावा

भारत-पाकिस्तान विवाद के अलावा, ट्रम्प ने एक और बड़ा दावा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में केवल 6 महीनों में 6 संभावित युद्धों को रुकवाया। हालांकि उन्होंने इन सभी का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि ये अलग-अलग क्षेत्रों और देशों से जुड़े थे। उनका कहना था कि अमेरिकी नेतृत्व का दायित्व केवल अपने देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में योगदान देना भी है। ट्रम्प ने कहा, "अगर अमेरिका चाहे तो दुनिया में बहुत खून-खराबा रोक सकता है।"

10 मई का सीजफायर ऐलान

ट्रम्प ने याद दिलाया कि 10 मई को उन्होंने सोशल मीडिया पर भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उस समय उन्होंने लिखा था कि यह उनके प्रयासों का सीधा नतीजा है। हालांकि भारत और पाकिस्तान, दोनों की सरकारों ने उस समय सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार नहीं किया था कि सीजफायर ट्रम्प की मध्यस्थता का नतीजा था। भारत ने हमेशा यह रुख रखा है कि उसके पड़ोसी देशों के साथ विवाद द्विपक्षीय रूप से सुलझाए जाएंगे और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की आवश्यकता नहीं है।

अमेरिकी राजनीति में ट्रम्प की शैली

डोनाल्ड ट्रम्प अपने कार्यकाल के दौरान और उसके बाद भी कई बार ऐसे बड़े-बड़े दावे करते रहे हैं, जिन पर अक्सर बहस छिड़ जाती है। उनकी कूटनीतिक शैली पारंपरिक अमेरिकी राष्ट्रपतियों से अलग मानी जाती है — सीधी, आक्रामक और खुद को केंद्र में रखने वाली। उनके समर्थक कहते हैं कि यही अंदाज उन्हें एक "डील मेकर" के रूप में स्थापित करता है, जबकि आलोचक मानते हैं कि वे कई बार तथ्यों से इतर बातें भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं।

भारत-पाकिस्तान संबंधों पर असर

ट्रम्प के इस दावे ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संबंधों और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के मुद्दे को चर्चा में ला दिया है। जहां भारत हमेशा कहता है कि उसके पड़ोसी के साथ सारे विवाद सीधे बातचीत से सुलझाए जाएंगे, वहीं पाकिस्तान ने कई बार अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का समर्थन किया है। यह भी सच है कि जब भी इन दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंचता है, तब वैश्विक शक्तियां, खासकर अमेरिका, हालात को नियंत्रित करने के लिए सक्रिय हो जाती हैं। इसका कारण केवल दक्षिण एशिया की स्थिरता ही नहीं, बल्कि परमाणु हथियारों का संभावित खतरा भी है। ट्रम्प के ताज़ा बयान ने एक बार फिर इस सवाल को जन्म दिया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ वर्षों में हुए सैन्य टकरावों के दौरान अमेरिका और अन्य शक्तियों की वास्तविक भूमिका क्या रही।

भारत का पाकिस्तान को अल्टीमेटम – भड़काऊ बयानबाज़ी बंद करें

-वरना अंजाम बुरा होगा

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में एक बार फिर तल्खी बढ़ गई है। बीते 48 घंटों में पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं की ओर से भारत के खिलाफ दिए गए भड़काऊ बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भारत ने साफ संदेश दिया है कि ऐसे गैर-जिम्मेदार और युद्ध भड़काने वाले शब्दों का अंजाम अच्छा नहीं होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में यह चेतावनी दी।

पाकिस्तानी नेताओं के बयान पर भारत की सख्त प्रतिक्रिया

रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के नेता बार-बार भारत के खिलाफ भड़काऊ और नफरत फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। यह उनकी पुरानी आदत है, ताकि वे अपने देश की नाकामियों और आंतरिक समस्याओं से लोगों का ध्यान भटका सकें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा – "पाकिस्तानी नेताओं को अपनी जुबान पर कंट्रोल रखना चाहिए। अगर उन्होंने कोई गलत कदम उठाया तो उसका नतीजा बहुत बुरा होगा।"

मामला क्यों गरमाया? – सिंधु जल समझौते का विवाद

पिछले कुछ दिनों से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौते को लेकर तनातनी चल रही है। यह समझौता 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुआ था, जिसके तहत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी प्रणाली के पानी के बंटवारे के नियम तय किए गए। हाल ही में भारत ने इस समझौते के निलंबन के संकेत दिए, जिस पर पाकिस्तान के तीन बड़े नेताओं – आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी – ने धमकी भरे बयान दिए। इन बयानों में भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और गंभीर परिणामों की बात कही गई थी।

48 घंटे में तीन धमकियां

जनरल आसिम मुनीर (पाकिस्तानी आर्मी चीफ) – भारत को 'मुंहतोड़ जवाब' देने की बात कही और सिंधु जल समझौते को छेड़ने को 'जंग की ओर कदम' बताया। शहबाज शरीफ (पाकिस्तान के प्रधानमंत्री) – कहा कि अगर भारत ने पानी रोकने की कोशिश की तो पाकिस्तान 'कठोर कदम' उठाएगा। बिलावल भुट्टो (पूर्व विदेश मंत्री) – खुलेआम बयान दिया कि पाकिस्तान अपने हितों की रक्षा के लिए 'किसी भी हद' तक जाएगा।

भारत का दो टूक संदेश

भारत ने इन धमकियों को गंभीरता से लेते हुए साफ कहा है कि पाकिस्तान को अपनी सीमाएं समझनी चाहिए। जायसवाल ने कहा – पाकिस्तान अपने घरेलू संकट, आर्थिक गिरावट और राजनीतिक अस्थिरता से बचने के लिए बाहरी दुश्मनी का माहौल बना रहा है। भारत किसी भी प्रकार की उकसावे वाली कार्रवाई का जवाब देने में सक्षम है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी इस तरह की धमकियों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि ये क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा हैं।

पाकिस्तान की पुरानी रणनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान लंबे समय से अपनी आंतरिक नाकामियों को छुपाने के लिए भारत विरोधी माहौल बनाता रहा है। आर्थिक संकट, महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे पाकिस्तान में सरकार पर जनता का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में सैन्य और राजनीतिक नेता भारत के खिलाफ कड़े बयान देकर अपने देश में 'राष्ट्रवादी लहर' पैदा करने की कोशिश करते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,